छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 302 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 28 नवम्बर 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

श्रीलंका-तमिलनाडु क्षेत्र में परिसंचरित अवदाब 'डिटवा' चक्रवाती तूफान में बदला

अंबिकापुर के न्यूनतम तापमान में पिछले दो दिनों से क्रमिक गिरावट आई

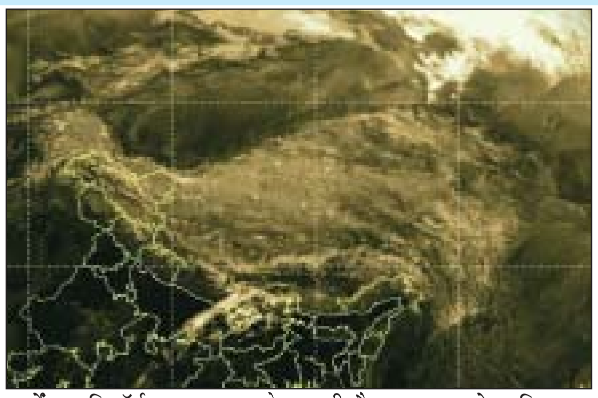

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा संभाग में कनकनी भरी ठंड की पुन: वापसी हो गई है। शीतलहर का एहसास होने के साथ अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 6 डिग्री पहुंच गया है। बलरामपुर जिले के सामारी पाट व सरगुजा के मैनपाट का तापमान 4 डिग्री के करीब है। दोनों जगहों पर सबसे अधिक ठंड पड़ती है। गुरुवार की सुबह कई इलाकों में घना कोहरा छाया रहा, जिसकी बिजब्लिटी 500 मीटर तक रही। कोहरे के कारण दोपहिया, चारपहिया वाहन चलाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वाहनों की गति पर ब्रेक लगी रही। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट दर्ज हो सकती है। ठंड से अभी राहत की उम्मीद नहीं है। कारण 'सेनयार' चक्रवाती तूफान के कमजोर पड़ते ही श्रीलंका-तमिलनाडु क्षेत्र में परिसंचरित सुस्पष्ट अवदाब गुरूवार को 'डिटवा' चक्रवाती तूफान में बदलना है।

बता इें कि नवंबर महीने की शुरूआत में कड़ाके की ठंड सरगुजा संभाग में पड़नी शुरू हो गई थी। 11 दिनों तक न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे बना हुआ था। इस दौरान वर्षों का रिकॉर्ड टूटा था। इसके बाद अफगानिस्तान में बने विक्षोभ के कारण तापमान में वृद्धि हुई थी, न्यूनतम तापमान बढ़कर 11 डिग्री तक पहुंच गया था। मौसम साफ होते ही ठिठुरन भरी ठंड में कुछ दिनों तक लगा ब्रेक हटा और 24 नवंबर से तापमान में गिरावट आनी शुरू हो गई। इसके साथ ही तीन दिन के अंदर न्यूनतम तापमान गिरकर गुरुवार को 6 डिग्री पहुंच गया है। सरगुजा संभाग में शीतलहर की वापसी हो गई है। ठंड से लोगों का हाल बेहाल है। दिन में भी लोग राहत महसूस नहीं कर रहे हैं। बर्फीली हवा के कारण लोग ठिठुरन महसूस कर रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट के अनुसार उत्तरी शीतलहर के कारण न्यूनतम व अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। गुरूवार को अधिकतम 24 व न्यूनतम 6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है। न्यूनतम तापमान औसत से करीब 5 डिग्री कम है। अंबिकापुर के साथ-साथ बलरामपुर जिले के सामरीपाट व सरगुजा के मैनपाट का तापमान करीब 4 डिग्री तक पहुंच गया है। यहां शीत की बूंदे जमनी शुरू हो गई है, लोग ठंड से बचने अलाव का सहारा ले रहे हैं।

न्यूनतम तापमान में उछाल की संभावना

मौसम वैज्ञानिक एएम भट्ट के अनुसार अंडमान सागर के 'सेनयार' चक्रवाती तूफान के कमजोर पड़ते ही श्रीलंका-तमिलनाडु क्षेत्र में परिसंचरित सुस्पष्ट अवदाब आज 'डिटवा' चक्रवाती तूफान में बदल गया है। इसके प्रभाव से तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में आगामी 30 नबम्बर तक व्यापक वर्षा कहीं-कहीं भारी से अति भारी वर्षा की संभावना है। इसका असर सरगुजा संभाग में भी देखा जा सकता है। बादल का असर बना रहेगा। 28 नबम्बर के बाद हवा की दिशा में परिवर्तन और खाड़ी की ओर से नमी युक्त वायु प्रवाह से अगले दो-तीन दिन न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री उछाल की संभावना है।

शीत लहर प्रबंधन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देशानुसार शीतलहर से बचाव हेतु वर्ष 2025-26 के लिए अधिकारियों को जिला एवं तहसील स्तर पर प्रबंधन हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसमें डिप्टी कलेक्टर सरगुजा उमा राज को जिला स्तर नोडल अधिकारी, अधीक्षक भू-अभिलेख अंबिकापुर दीपिका दुबे को जिला स्तर सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार तहसील स्तर पर तहसीलदार अंबिकापुर उमेश्वर सिंह बाज को अंबिकापुर का, तहसीलदार उदयपुर विकास जिंदल को उदयपुर, तहसीलदार लुण्ड्रा चित्रलेखा चन्द्रवंशी को लुण्ड्रा, तहसीलदार लखनपुर अंकिता पटेल को लखनपुर, तहसीलदार बतौली गोविन्द कुमार सिन्हा को बतौली, तहसीलदार सीतापुर रूपाली मेश्राम को सीतापुर, तहसीलदार मैनपाट ममता रात्रे को मैनपाट का एवं तहसीलदार दरिमा अमन चतुर्वेदी को तहसील स्तर दरिमा का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

स्कार्पियो सवार गाय चोरी करके ले जाते सीसीटीव्ही में हुए कैद

पालतू गाय की चोरी से क्षुब्ध पशुपालक ने थाने में दर्ज कराई रपट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गौ वंश की तस्करी करने वालों का हौसला इतना बुलंद हो गया है कि वे घरों में बंधी पालतू गायों को भी चोरी करके ले जा रहे हैं। ऐसी ही एक घटना सीसीटीव्ही में कैद हुई है, जिसमें चारपहिया वाहन में सवार होकर पहुंचे चोर दो गाय को खोलकर ले गए। पूर्व में ग्राम बधियाचुआं में गौ वंश की तस्करी करने वालों को ग्रामीणों ने पकड़ा था, और इनके कब्जे से दो दर्जन से अधिक गायों को मुक्त कराने में सफलता मिली थी। शहर के बीच हुई गाय चोरी की वारदात के बाद मवेशी पालकों को सतर्क रहने की जरूरत है, जो अपनी पालतू गौ वंश को खुले में छोड़ देते हैं। इसके पहले गांधीनगर थाना क्षेत्र में गांधी चौक से भी स्कार्पियों सवारों द्वारा गाय चोरी का मामला सामने आ चुका है।

जानकारी के मुताबिक केदारपुर अंबिकापुर में पहुना दुकान के पास रहने वाले परमानन्द तिवारी की मां सरिता देवी अपने घर में गौ वंश पाली है, जिसकी लगातार चोरी हो रही थी। 26 नवम्बर को शाम करीब 5.30 बजे पुन: रस्सी से बांधकर रखी गई गाय को घर के सामने से चोर खोलकर ले गए। सुबह उठे तो गाय नहीं थी। पड़ोस में लगे सीसीटीव्ही को देखने पर पता चला कि स्कार्पियो में पहुंचे दो व्यक्तियों के द्वारा सुबह करीब 7 बजे घटना को अंजाम दिया गया है। घर के सामने बंधी गाय को जबरदस्ती वाहन में लादकर ले जाने का पूरा घटनाक्रम सामने आने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा है। सीसीटीव्ही में स्पष्ट नजर आ रहा है, मिशन चैक में घर के सामने बंधी गाय को जब चोर लेने के लिए पहुंचे तो वह भागने का प्रयास की, लेकिन रस्सी से बंधे रहने के कारण वह भाग नहीं पाई और गाय और बछड़े को लेकर तस्कर फरार हो गए। घटना की जानकारी परमानन्द तिवारी ने कोतवाली थाना में दी है, और गाय चोरी करने के लिए स्कार्पियो वाहन में पहुंचे चोरों का सीसीटीव्ही फुटेज पुलिस को उपलब्ध कराया है। चोरी गए गौवंश में एक गाभिन है। गौवंश की कीमत 25 हजार रुपये बताई गई है। मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

लापरवाही पूर्वक कार का गेट खोला, बाइक सवार का पैर फैक्चर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कार चालक के द्वारा अचानक पीछे का गेट खोलने से मोटरसायकल में सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। पति का इलाज कराने के बाद घटना की रिपोर्ट पत्नी ने गांधीनगर थाना में दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने कार चालक के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक मनोज कुमार गुप्ता के साथ 22 नवम्बर को सुबह 8.40 बजे अंबिकापुर रेलवे स्टेशन चैक पर स्थित कार्यालय जाने के लिए अपनी मोटरसायकल क्रमांक सीजी 10 ईजी 6559 से निकले थे। इसी दौरान महेंद्रा गाड़ी क्रमांक सीजी 04 पीजे 8432 का चालक चैक में सड़क को जाम करते हुए अचानक रूका और लोगों की आवाजाही को देखे बिना पीछे का दरवाजा खोल दिया। नो पार्किंग जोन में लापरवाही पूर्वक गेट खोलने से उन्हें संभलने का मौका नहीं मिला और गाड़ी फिसल गई। घटना में उनके पति का बांया पैर फैक्चर हो गया। बेहोशी की हालत में मनोज कुमार गुप्ता को महावीर अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां पैर का ऑपरेशन करने की नौबत बन गई। डॉक्टर ने इन्हें छह माह तक बेड रेस्ट करने के लिए कहा है।

अल्टीमेटम के बाद भी समस्या नहीं हुई दूर, प्रदर्शन के बाद हरकत में आए अधिकारी

किसानों की समस्या 30 नवंबर तक दूर नहीं होने पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। सरकारी प्रक्रियाओं में अव्यवस्था, तकनीकी खराबी और रजिस्ट्रेशन संबंधी अड़चनों ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। समस्याओं को लेकर लगातार किसान हल्का पटवारी और तहसील कार्यालयों का चक्कर काटने को मजबूर हैं। किसानों ने तहसीलदार को इन सभी समस्याओं का समाधान करने ज्ञापन सौंपा था और 26 नवंबर तक समस्याओं का समाधान नहीं होने पर 27 नवंबर को चक्काजाम, आंदोलन करने की चेतावनी दी थी। इसी तारतम्य में 27 नवंबर, गुरुवार को दोपहर लगभग 12 बजे नेशनल हाईवे 130 स्थित लहपटरा गांधी चौक के पास बड़ी संख्या में किसान एकजुट होकर प्रदर्शन करने लगे। इसकी सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार उमेश तिवारी मौके पर पहुंचे और किसानों से बातचीत करके त्वरित समस्या समाधान का आश्वासन दिया है। इसके बाद किसानों का विरोध प्रदर्शन समाप्त हुआ।

किसानों ने जमीनी हकीकत उजागर करते हुए बताया है कि इस बार गिरदावरी (भूमि सत्यापन) में कई त्रुटियां सामने आई हैं। पहले उनका पूर्ण रकबा दर्ज था, इस बार सिस्टम में रकबा कम दिखाया गया, जिससे धान खरीदी का लक्ष्य अचानक घट गया। आरोप है कि जमीन वही है, लेकिन सिस्टम में रकबा कम दिखाकर उन्हें सीधा नुकसान पहुंचाने का काम किया जा रहा है। रजिस्ट्रेशन की अनिवार्य प्रक्रियाएं डीएससी और आरसी सत्यापन बार-बार फेल हो रही है। एग्री स्टेक पोर्टल में तकनीकी गड़बड़ी के कारण एप्रूवल और अपडेट लंबे समय से अटका हुआ है। किसानों ने बताया कि सोसायटी से उन्हें तहसील भेजा जा रहा है और तहसील उन्हें वापस सोसायटी भेजने में लगा है। इस चक्कर में उनका समय, पैसा और मेहनत लगातार बरबाद हो रहा है। रकबा कम दर्ज होने और पंजीयन त्रुटियों के कारण चिंतित किसान लहपटरा गांधी चौक के पास चक्काजाम करने काफी संख्या में एकत्रित हो रहे थे, प्रशासनिक अधिकारियों के समझाइश के बाद किसान संतुष्ट हुए। किसानों ने रकबा सुधार करने के लिए मात्र 30 नवंबर तक समय दिया है जबकि कई किसानों की एग्री स्टेट सहित अन्य समस्याएं हैं, जिसका निराकरण इतने कम समय पर होना संभव नहीं है।

किसानों के साथ उग्र आंदोलन की चेतावनी

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव रणविजय सिंह देव ने कहा कि यदि समस्या का समाधान 30 नवम्बर तक नहीं होता है तो किसानों के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करने के लिए वे बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष कृपा शंकर गुप्ता, रणविजय सिंह देव, सूरज सिंह पैकरा, धर्मेंद्र झरिया, राम रतन, जीवन राम, अजहर राम चौधरी सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

एसआईआर प्रक्रिया में उदयपुर ब्लॉक रचा कीर्तिमान, शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के पालन में जिले में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर 2026) कार्यों के तहत उदयपुर विकासखण्ड ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। क्षेत्र ने मतदाता सूचियों के शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य समय से पूर्व सफलता पूर्वक पूर्ण कर जिले में एक नया मानक स्थापित किया है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विलास भोसकर के मार्गदर्शन तथा उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुनील नायक एवं उदयपुर एसडीएम बनसिंह नेताम के नेतृत्व में यह उपलब्धि संभव हुई। निर्वाचन कार्यालय के अनुसार डिजिटाइजेशन प्रक्रिया अंतर्गत सभी मतदान केन्द्रों की मतदाता सूचियों का सत्यापन, नामों का मिलान, बीएलओ द्वारा घर-घर सर्वे, नए पात्र मतदाताओं की जानकारी संकलित करना, अनुपस्थित, स्थानांतरित एवं मृतकों के नामों का परीक्षण सहित सभी आवश्यक प्रपत्रों का अद्यतन कार्य सुव्यवस्थित तरीके से किया गया। उदयपुर विकासखण्ड में कुल 78 मतदान केन्द्रों की मतदाता सूचियों को पूर्णतया डिजिटल प्रारूप में परिवर्तित कर सुरक्षित डेटाबेस पर अपलोड किया गया है। प्रक्रिया में विशेष रूप से पात्र मतदाताओं की आयु, पते, फोटो और दस्तावेजों का सत्यापन अत्यंत दक्षता के साथ किया गया। इसके अतिरिक्त, नए मतदाताओं के पंजीकरण और सुधार हेतु भी शिविरों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की। उदयपुर एसडीएम बनसिंह नेताम ने बताया कि यह सफलता बीएलओ, सुपरवाइजर, निर्वाचन कर्मियों एवं तकनीकी टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। सभी कर्मचारियों ने समयबद्ध तरीके से कार्य करते हुए निर्वाचन आयोग के मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित की। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने उदयपुर टीम की सराहना करते हुए कहा कि जिले के सभी विकासखण्डों को इसी प्रकार प्रेरित होकर कार्यों को समय पर और पारदर्शी रूप से पूर्ण करना चाहिए। इससे आगामी निर्वाचन प्रक्रिया और भी अधिक व्यवस्थित, सटीक तथा मतदाताओं के अनुकूल बनेगी। जिले के अन्य विकासखण्डों में भी डिजिटाइजेशन एवं मतदाता सूची अद्यतन की प्रक्रिया तेज गति से जारी है और जल्द ही सभी क्षेत्रों में कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

देवालय निर्माण एवं जीर्णोद्धार के लिए प्रकाश इंडस्ट्रीज ने दी सहमति

छ.ग.फ्रंटलाइन भैयाथान। विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत केंवरा के सरपंच, पंचायत प्रतिनिधियों एवं बैगा समाज के सदस्यों ने देवालय निर्माण एवं जीर्णोद्धार हेतु प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड, भास्करपारा कोल माइंस प्रबंधन से मांग की थी। प्रबंधन ने इस पर औपचारिक सहमति प्रदान की है। समुदाय की इस मांग और सहमति के आधार पर कंपनी प्रबंधन ने देवालय निर्माण कार्य कराने का निर्णय लिया है, जिससे ग्रामीण हर्षित हैं।

एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन की तिथि बढ़ाई गई

अब 30 नवम्बर तक समितियों में किसान करा सकेंगे संशोधन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। खरीफ वर्ष 2025 के लिए किसानों के पंजीयन एवं फसल रकबे में संशोधन की सुविधा अब किसानों को और अधिक समय तक उपलब्ध रहेगी। शासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन हेतु उपलब्ध प्रावधान को अब 30 नवम्बर तक सभी समितियों में समिति लॉगिन के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। इस संबंध में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, सहकारिता विभाग, कृषि/उद्यानिकी विभाग, राज्य सहकारी बैंक, मार्कफेड तथा एनआईसी के अधिकारियों को पत्र जारी किया गया है। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार अब यह सुविधा 30.11.2025 तक सभी प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों में समिति लॉगिन पर उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे किसान अपने पंजीयन, फसल रकबे में संशोधन तथा आवश्यक जानकारी अपडेट कर सकेंगे। शासन ने संबंधित सभी विभागों एवं संस्थाओं को निर्देशित किया है कि वे अपने अधीनस्थ अधिकारियों, समितियों एवं कर्मचारियों को इस संबंध में अवगत कराएं, जिससे किसानों को समय पर जानकारी प्राप्त हो सके और कोई भी पात्र किसान पंजीयन से वंचित न रहे।

निर्देशानुसार उपलब्ध कराए गए प्रावधान

समिति लॉगिन में कृषक एवं संस्थागत, कृषक नवीन पंजीयन,नॉमिनी संशोधन, रकबा/फसल संशोधन की सुविधाएं उपलब्ध है। तहसील लॉगिन में संस्थागत नवीन पंजीयन, रेगहा/अधिया पंजीयन, संयुक्त पंजीयन, डुबान पंजीयन, कृषक एवं संस्थागत निरस्तीकरण की सुविधा उपलब्ध है। सभी सुविधाएं 30 नवम्बर तक उपलब्ध रहने से किसानों को पंजीयन एवं संशोधन प्रक्रिया के निर्णय से जिले सहित पूरे प्रदेश के किसानों को खरीफ सत्र की तैयारी में सुविधा होगी।

जिले में अब तक 60516 क्विंटल धान की खरीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवम्बर 2025 से प्रारंभ हो गया है। किसानों से धान की खरीदी करने के लिए 49 सहकारी समितियों के अंतर्गत 49 धान उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं।

जिले में अब तक 44 समितियों में किसानों से कुल 60516 क्विंटल धान की खरीदी की गई है, जिसमें धान खरीदी केन्द्र बादा में 162.40 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार कुसमी में 20, जवाहरनगर में 56.40, कामेश्वरनगर में 5554.40, गोपालपुर में 16, भेंडरी में 724.40, चांदों में 1624, जमड़ी में 1853.20, जिगड़ी में 49.60, जोकापाट में 100, डूमरपान में 979.60, डिण्डों में 1637.60, डीपाडीह में 236, डोंगरो में 69.20, गांजर में 494.80, त्रिकुण्डा में 1705.60, बगरा में 618, तातापानी में 2713.60, धंधापुर में 463.60, डौरा में 90.40, पस्ता में 174.80, बड़कागांव में 3755.60, बरतीकला में 28.80, बरदर में 1618.40, आरा में 139.20, बरियो में 1766, बलंगी में 1873.20, बलरामपुर में 622, बसंतपुर में 1729.20, भुलसीकला में 84.80, भंवरमाल में 5385.20, रामानुजगंज 1914, महाराजगंज में 3584.40, महावीरगंज में 1982.40, विजयनगर में 3992, रघुनाथनगर में 1130, रनहत में 50, राजपुर में 486, दोलंगी में 953.20 रामनगर में 1694, स्याही में 1746.80, विरेन्द्रनगर में 4732.80 सरना में 1692 एवं सेवारी में 252.40 क्विंटल धान किसानों से खरीदी की गयी है।

धान खरीदी समय पर, व्यवस्थित और पूरी तरह हो पारदर्शी : कलेक्टर

कलेक्टर ने समिति प्रबंधकों की ली बैठक

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला पंचायत के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा ने धान खरीदी व्यवस्था को लेकर सहकारी सेवा समितियों के प्रबंधकों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर श्री कटारा ने कहा कि धान खरीदी प्रक्रिया को समयबद्ध, सुव्यवस्थित संचालित करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने धान खरीदी प्रक्रिया को क्रमबद्ध ढंग से करने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने सुव्यस्थित खरीदी के लिए प्रबंधकों से कहा कि मुनादी एवं प्रचार-प्रसार के माध्यम से बताएं कि किसान सुबह 08 बजे अपना धान लेकर समिति पहुंच जाएं। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि किसानों से लाया गया धान सबसे पहले निर्धारित स्थान पर ढेरी के रूप में रखा जाए और नमी मापने के बाद ही धान को आगे की प्रक्रिया में लिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसानों के केंद्र में आने के क्रम में ही धान तौल की जाएगी। इससे सभी कार्य जैसे तौलाई, ढेरी लगाना, नमी मापना और स्टैकिंग जैसे सारे कार्य उसी दिन सुचारू रूप से पूरे हो जाएं।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि किसानों द्वारा लाए गए धान को वाहन से उतारकर ढेर लगाने के लिए अलग से हमालों की व्यवस्था की जाए, जिसका भुगतान किसान करेंगे। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि शासन की गाइडलाइन के अनुसार ढेर लगाने के बाद तौलाई और स्टैकिंग तक की प्रक्रिया समिति से अनुबंधित हमालों द्वारा की जाएगी और इसके लिए किसानों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा, ताकि खरीदी व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी बनी रहे। इस दौरान उन्होंने प्रबंधकों को हमालों का भुगतान समय पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने बारदाना के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। खरीदी केंद्रों की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देते हुए कलेक्टर ने कहा कि केंद्रों में ड्रेनेज, फेंसिंग, आवश्यक व्यवस्थाएं रहे साथ ही सीसीटीवी कैमरे चलित अवस्था में हो। उन्होंने सभी आवश्यक रजिस्टरों के साथ ऑनलाइन एंट्री समय पर नियमित रूप से अद्यतन रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रबंधकों को धान खरीदी में उपयोग में लाई जाने वाली उपयोग सामग्री भी पर्याप्त मात्रा रखने के निर्देश दिए ताकि खरीदी में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

कलेक्टर ने मौसम की अनिश्चितताओं को देखते हुए धान की सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम पहले से ही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि किसानों से एक शपथ पत्र लिया जाएगा, जिसमें उनकी संपूर्ण जानकारी व शेष रकबा समर्पण का विवरण शामिल होगा, ताकि खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। कलेक्टर ने प्रबंधकों से कहा कि किसी भी कोचिए या संदिग्ध गतिविधि पर सतत निगरानी रखें। ताकि अवैध धान के भण्डारण एवं परिवहन पर प्रभावी रोक लग सके। उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों में शौचालय, पीने के पानी और अन्य मूलभूत सुविधाएँ अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहें।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी समितियां समन्वित प्रयासों से काम करेंगी तो धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया सहज, समयबद्ध और किसान हित में सफलतापूर्वक संपन्न होगी।

एसआईआर में सक्रिय भागीदारी से मतदाता सूची होगी त्रुटिरहित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में चल रहे निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर के संबंध में कलेक्टर एस.जयवर्धन ने आज नगर पंचायत बिश्रामपुर के सभाकक्ष में गणना प्रपत्र भरने और डिजिटाइजेशन कार्य को लेकर समीक्षा की। उन्होंने बैठक में उपस्थित बीएलओ को बताया कि एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन करना है, ताकि निर्वाचक नामावली में किसी योग्य व्यक्ति का नाम न छूटे तथा किसी अयोग्य व्यक्ति का नाम न जुड़े। उन्होंने कहा कि गणना पत्रक भरने का उद्देश्य एक ही व्यक्ति का नाम दो स्थानों पर दर्ज होने से रोकना है। साथ ही नए मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया से जोड़कर उन्हें देश के लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी का अवसर देना है। उन्होंने उपस्थित सभी बीएलओ को एसआईआर के तहत डिजिटाइजेशन का कार्य प्राथमिकता से करने के दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान नगर पंचायत बिश्रामपुर सीएमओ सुशील कुमार तिवारी व अन्य उपस्थित थे। कलेक्टर ने यहां पर नगर पंचायत बिश्रामपुर के जनप्रतिनिधियों के साथ भी सीएमओ कक्ष में बैठक कर एसआईआर में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने आह्वान किया। कलेक्टर ने कहा कि कोयला कर्मचारियों की सूची को प्रबंधन को भेजकर सत्यापन कराया जाएगा, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। जनप्रतिनिधियों ने यहां पर कलेक्टर से मांग किया कि बीएलओ के साथ साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को भी सहयोगी के रूप में ड्यूटी में लगाई जाए, जिससे एसआईआर की प्रक्रिया समय सीमा पूर्ण हो सके। इस दौरान नगर पंचायत उपाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान, इंजी. विनय सिंह, पूर्व नपं अध्यक्ष राजेश यादव, पार्षद रविशंकर बउवा, संजीत यादव, दीना सिंह व अन्य उपस्थित थे।

महिलाओं हेतु विशेष प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 28 नवम्बर को

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी दी है कि 28 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से जनपद पंचायत बलरामपुर के सभाकक्ष में योकोहामा कंपनी के द्वारा 500 पद (स्थायी जॉब, केवल महिला अभ्यर्थी) की पूर्ति के लिए प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा।

रोजगार मेला/प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन वर्तमान में ई-रोजगार पोर्टल पर ऑनलाईन मेला/प्लेसमेंट कैम्प क्रिएट कर किया जा रहा है, इसमें अभ्यर्थियों को आवेदन करने के लिए जीवित/अपडेट रोजगार पंजीयन होना अनिवार्य है। जिन महिला आवेदकों का वर्तमान में जीवित रोजगार पंजीयन नहीं हुआ है, वो ऑनलाईन रोजगार मेला/प्लेसमेंट कैम्प में आवेदन हेतु ई-रोजगार डॉट सीजी डॉट जीओव्ही डॉट ईन/सीजी रोजगार ऐप के माध्यम से पहले रोजगार पंजीयन करना सुनिश्चित करें, तत्पश्चात मेला/प्लेसमेंट कैम्प हेतु उपलब्ध कराये गए लिंक में जाकर, रोजगार पंजीयन के आधार पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं या प्लेसमेंट कैंप में 28 नवम्बर 2025 को आवेदन कर सकते हैं। रोजगार पंजीयन हेतु आधार क्रमांक तथा आधार से जोड़ा गया पंजीकृत मोबाईल नंबर अनिवार्य है। पंजीयन में समस्या हेतु दूरभाष नंबर 9685672368 पर संपर्क कर सकते हैं। इस प्लेसमेंट कैम्प में शामिल होने हेतु निर्धारित दिनांक एवं स्थल में अपने अभिभावकों सहित उपस्थित हो सकते हैं, जिससे नियोजक एवं अभ्यर्थियों/अभिभावकों के मध्य विस्तृत चर्चा कर इच्छुक एवं योग्य अभ्यर्थियों को रोजगार से जोड़ा जा सके।

डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर में मना संविधान दिवस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर में संचालित डीएवी पब्लिक स्कूल में संविधान दिवस के अवसर पर प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में भव्य समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित कर वि?द्यार्थियों को भारत के संविधान की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सर्वप्रथम संविधान निर्माण पर आधारित नाटक की रोचक प्रस्तुति कक्षा ग्यारहवीं कला संकाय के छात्र-छात्राओं ?द्वारा की गई। इसके पश्चात संविधान की उद्देशिका का वाचन कर संविधान में प्रावधानित अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी दी गई। शिक्षिका वनिता सिन्हा ने संविधान निर्माण की प्रक्रिया और संविधान के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कक्षा 11 वीं कला संकाय की छात्रा जायना खान द्वारा संविधान की मूल भावना के प्रति निष्ठा बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। वि?द्यालय प्राचार्या अनामिका भारती ने संविधान दिवस के वर्षगांठ पर कहा कि संविधान ने हमें अधिकार के साथ कर्तव्य भी दिए हैं और दोनों के मध्य अनन्य संबंध है। हमें अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी से एवं पूर्ण तत्परता से करनी चाहिए। उन्होंने संविधान निर्माण में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान का उल्लेख भी किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक विमान घोष द्वारा किया गया।

एसईसीएल के सुश्रुत 2025 नीट मुफ्त आवासीय कोचिंग के लिए 5 तक आवेदन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल के सुश्रुत 2025 के तहत एसईसीएल द्वारा नीट की मुफ्त आवासीय कोचिंग के लिए पहल शुरू की गई है। जिसके तहत छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के कुछ जिलों के मेधावी छात्रों को मुफ्त कोचिंग दी जाती है। इसी के अतंर्गत सूरजपुर जिले के बिश्रामपुर व भटगांव के डीएवी पब्लिक स्कूल में इस मुफ्त आवासीय कोचिंग का संचालन किया जाएगा। जिससे की कोयलांचल क्षेत्र के मेधावी छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान किया जा सकें। एसईसीएल के सुश्रुत 2025 मुफ्त आवासीय कोचिंग में प्रवेश पाने के लिए विज्ञान संकाय से 12 वीं में अध्ययनरत या 12 वीं पास कर चुके विद्यार्थियों को अधिकारिक वेबसाइट पर 5 दिसंबर तक आवेदन करना होगा। प्रवेश परीक्षा 7 दिसंबर निर्धारित की गई है। जिसमें प्राप्त अंक या मेरिट के आधार पर पात्र प्रतिभागियों को प्रवेश दिया जाएगा। सुश्रुत 2025 कार्यक्रम के पिछले परिणाम उत्साह जनक रहें हैं। जिसमें पहले बैच के 40 में से 39 छात्रों ने नीट 2024 में सफलता प्राप्त की है।

एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में औद्योगिक अराजकता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसकेएमएस एटक ने 34 गंभीर मुद्दों पर प्रबंधन की निष्क्रियता के खिलाफ बड़े आंदोलन की घोषणा की संयुक्त कोयला मजदूर संघ ने एसईसीएल के बिश्रामपुर क्षेत्र प्रबंधन पर कर्मचारियों के अधिकारों, सुविधाओं और सुरक्षा के प्रति घोर निष्क्रियता और अरुचि का आरोप लगाया है। साथ ही दिसंबर माह में चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की गई है। संघ द्वारा क्षेत्रीय महाप्रबंधक को भेजे गए पत्र में 34 संवेदनशील समस्याओं को सूचीबद्ध किया है, जिनमें आईआर बैठकों का न होना, लंबित पदोन्नतियां, आवास आवंटन में घोटाला, पेंशन, सीएमपीएफ के बड़े मामले और खदानों में गंभीर सुरक्षा उल्लंघन, पदोन्नति में भारी विलंब, लगभग 300 सेवानिवृत्त कर्मचारियों का पेंशन पुनरीक्षण, संवेदनशील पदों के स्थानांतरण में अनियमितता बलरामपुर भूमिगत खदान का सीटीओ लैप्स होने, कुम्दा सहक्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के ऊपर क्षेत्र से बाहर स्थानांतरण की तलवार लटकी है। सेवानिवृत्त कर्मियों के अपमान के साथ ही श्री राम साय, अंजनी कुमार सिंह, जैनुल आबेदिन, सुखराम, सुबरन, एडमून एक्का के आश्रित, रतन विश्वकर्मा के आश्रित, सुरेश, मो. रिजवान अकरम, जगलाल, शिवलाल, संतोष शर्मा एवं राजीव मिश्रा के प्रकरण का शीघ्रता के साथ निवारण के संबंध में लिखा गया है।एसकेएमएस एटक के क्षेत्रीय सचिव पंकज गर्ग ने कहा कि हमने पूर्व में प्रबंधन को समस्याओं से अवगत कराया था, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। प्रबंधन की उदासीनता से क्षेत्र में औद्योगिक शांति खतरे में है। अब हमारे पास आंदोलन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। संघ ने घोषणा की है कि त्वरित कार्यवाही कर अगर कामगारों को यदि न्याय नहीं मिला तो प्रथम चरण में 1 दिसंबर से 6 दिसंबर तक गेट मीटिंग, द्वितीय चरण में 15 दिसंबर को क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन तृतीय चरण में 22 से 25 दिसंबर तक क्रमिक भूख हड़ताल व 26 दिसंबर से आमरण अनशन किया जाएगा।

ऑनलाइन टोकन से धान खरीदी में हो रही आसानी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिले में समर्थन मूल्य एवं कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से धान खरीदी की जा रही है। शासन द्वारा धान खरीदी से किसानों की आय में वृद्धि हो रही है और अपनी जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। बलरामपुर के धान उपार्जन केन्द्र में ग्राम 'भेलवाडीह' के किसान श्री नरेन्द्र यादव धान विक्रय करने पहुंचे थे। उन्होंने ऑनलाईन माध्यम से धान विक्रय के लिए टोकन कटवाया था। जिससे उनके समय और श्रम दोनों की बचत हुई है।

किसान श्री नरेन्द्र यादव ने बताया कि धान खरीदी केन्द्र में उन्होंने 28.40 क्विंटल धान की बिक्री की है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी पूरी पारदर्शिता से किया गया है। इलेक्ट्रॉनिक मशीन से धान खरीदी कार्य तेजी से हो पाया और समय कम लगा है। किसान श्री नरेन्द्र यावद ने कहा कि शासन द्वारा 3100 रूपए प्रति क्विंटल दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी से किसानों की आर्थिक जरूरतें पूरी हो रही है। उन्होंने कहा कि विगत वर्ष धान बिक्री से प्राप्त राशि से उन्होंने बच्चों की पढ़ाई, घर के खर्च एवं अन्य आवश्यक समान खरीदने में किए थे। उन्होंने कहा कि शासन की म ह त व पू ण ार्‍ योजनाओं से किसानों को बड़ी राहत मिली है। और किसानों के जीवन स्तर का उन्नयन हुआ है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया।

समर्थन मूल्य पर शुरू होगी खरीफ उपार्जन प्रक्रिया

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। उप संचालक कृषि विभाग ने बताया कि प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत प्राईस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार खरीफ दलहनी एवं तिलहनी फसलों का उपार्जन न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि जिले में अधिसूचित फसलें उड़द, मूंग, मूंगफली एवं सोयाबीन की फसल कटाई का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है।

ऐसे में योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के इच्छुक कृषकों के लिए एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीयन कराना अनिवार्य है। जिले के सभी इच्छुक किसान एकीकृत किसान पोर्टल पर जाकर पंजीयन कर योजना अंतर्गत लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

पशुओं को ठंड से बचाने अपनाएं ये तरिके दूध उत्पादन भी होगा दोगुना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सर्दियों में पशुओं को ठंड से बचाना आवश्यक है यदि पशु को ठंडी हवा व धुन्ध, कोहरा से बचाने का समुचित प्रबंध ना हो तो पशु बीमार पड़ जाते है। जिससे उनके उत्पादन में तो गिरावट आती ही है साथ ही साथ पशु न्यूमोनिया जैसे रोगों के कारण मृत्यु भी हो सकती है। सर्दियों में पशुओं के रहन-सहन और आहार का समुचित प्रबंध करना अत्यंत आवश्यक है। यदि पशुओं के रहन-सहन और आहार का उचित प्रबंध इस प्रतिकूल मौसम में नहीं किया गया, तो पशु स्वास्थ्य एवं दुग्ध उत्पादन क्षमता पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। पशुपालकों को चाहिए कि व अपने पशुओं का सर्दी के मौसम में विशेष ध्यान रखे तथा उन्हें सर्दी से बचाने का उपाय करें। शीत लहरों के दौरान जानवरों और पशुधन को जीविका के लिए अधिक भोजन की आवश्यकता होती है क्योंकि ऊर्जा की आवश्यकता बढ़ जाती है। पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में दवाईयां एवं चारा आदि के भण्डारण की जायें। ठंडी हवाओं के सीधे संपर्क से बचने के लिए रात के दौरान सम्झी पशु आवास को स्मी दिशाओं से ढके। पशुधन के आहार एवं खान-पान में वृद्धि करे। उच्च गुणवत्ता वाले चारे व चारागाहों का उपयोग करे। जलवायु अनुरूप शेड का निर्माण करे, जो सर्दियों के दौरान अधिकतम सूरज की रोशनी और गर्मियों के दौरान कम विकिरण की अनुमति देते हैं। सर्दियों के दौरान जानवरों के बैठने हेतु सूखे भूसे रखे। पालतू जानवरों पशुधन को शीत लहर से बचाने हेतु भवन के अंदर रखें तथा उन्हें कम्बल से ढके। ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों को अपने क्षेत्र के गौशाला, कांजीहाउस, गौधाम में चारे की पर्याप्त उपलब्धता तथा पशुओं हेतु पेयजल की उपलब्धता स्थानीय निकाय से समन्बय बनाकर सुनिश्चित करना चाहिए। पशुओं के बीमार होने पर नजदीकी पशु चिकित्सकीय संस्थान, पशु चिकित्सक से परामर्श लें।

मनरेगा में 2025-26 में 39 लाख 30 हजार जाब कार्ड प्रदान किए गए

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की राज्य स्तरीय सशक्त समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में योजना के तहत वर्ष 2022-23 से अब तक किए गए कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में मोर गांव, मोर पानी महाअभियान, महात्मा गांधी नरेगा के साथ अभिशरण अंतर्गत कार्यों की समीक्षा, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत योजना के क्रियान्वयन के संबंध में राज्य की पहल सहित महात्मा गांधी नरेगा से संबंधित विभिन्न विभागों में किए जा रहे कार्य आदि की समीक्षा की गई। महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत महत्वपूर्ण कार्यों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2022-23 में कुल 39 लाख 82 हजार, 2023-24 में 38 लाख 56 हजार, 2024-25 में 38 लाख 44 हजार तथा 2025-26 में 39 लाख 30 हजार जाब कार्ड प्रदान किए गए। इसी तरह से वर्ष 2022-23 में रोजगार प्रदाय परिवारों की संख्या 25 लाख 74 हजार, 2023-24 में 24 लाख 77 हजार, 2024-25 में 25 लाख 61 हजार और 2025-26 में अब तक 16 लाख 6 हजार परिवारों को रोजगार प्रदाय किया गया। बैठक में बताया गया कि 100 दिवस का रोजगार प्राप्त परिवारों में वर्ष 2022-23 में 3 लाख 25 हजार 582, वर्ष 2023-24 में 3 लाख 22 हजार 936, वर्ष 2024-25 में 3 लाख 13 हजार 40 और वर्ष 2025-26 में अब तक 42 हजार 685 हितग्राहियों को रोजगार दिया गया। बैठक में बताया गया कि महात्मा गांधी नरेगा के तहत 2024-25 एवं 2025-26 में कुल 11 लाख 47 हजार 907 पौधे रोपित किए गए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में मोर गांव, मोर पानी महाअभियान के अंतर्गत जल संरक्षण एवं जल संवर्धन प्रदाय किए जा रहे है। इसके लिए मोर गांव, मोर पानी महाअभियान से लोगों को जोड़ा जा रहा है। जनप्रतिनिधियों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जा रही है। योजना के अंतर्गत 56 हजार 112 प्रतिभागियों का उन्नमुखीकरण किया गया हैं। बैठक में बताया गया कि जल संचय, जल भागीदारी संबंधित कार्य हेतु राज्य के विभिन्न जिलों में 11 राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए गए है। इस अभियान के अंतर्गत करीब 34 हजार 421 कार्यो को लिया गया है। जिसमें क्षेत्रीय हितग्राहियों को रोजगार प्रदान किया गया है। बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, पीसीसीएफ श्रीनिवास राव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक, विधि विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती सुषमा सावंत, लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, जल संसाधन विभाग के सचिव श्री राजेश सुकुमार टोप्पो सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

कलेक्टर ने सहकारी समिति सुहेला में धान खरीदी कार्य का किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। बलौदाबाजार भाटापारा जिले के कलेक्टर दीपक सोनी ने गुरुवार को सुहेला प्रवास के दौरान ग्रामीण सेवा सहकारी समिति सुहेला में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने समिति में पंजीकृत किसानों की संख्या, अब तक की खरीदी एवं किसानों की सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने तौल मशीन में धान का निर्धारित मात्रा में वजन एवं नमी पर कड़ी निगरानी रखने एवं किसानों की सुविधाओं पर ध्यान देने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान तौल मशीन में धान का वजन कराया और नमी मशीन में धान की नमी की भी जांच की। उन्होंने धान बेचने आये किसानों से पूछ -ताछ करते हुए केन्द्र में किसी प्रकार की असुविधा या टोकन कटाने में कोई दिक्कत आदि की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि धान बेचने में कोई समस्या नहीं है, प्रशासन के द्वारा इस बार अच्छी व्यवस्था की गई है। कुछ किसानों ने बताया कि धान बेचने टोकन लेने आये हैं वहीं कुछ किसानों ने समिति में कच्चे फर्श होने पर धान खराब होने से बचाने के लिये पक्का फर्श की मांग की। इस पर कलेक्टर ने आगामी दिनों में पक्का फर्श निर्माण का आश्वासन दिये। बताया गया कि समिति अंतर्गत 1095 किसान पंजीकृत हैं। अब तक 114 किसानों से 2013 किसानों से 5057 क्विंटल धान खरीदी हुई है। जिले में अब तक 13902 किसानों से 61426 मीट्रिक टन धान खरीदी हुई है।

श्रमिकों के लिए दिसंबर में 9 पंचायतों में निःशुल्क मोबाइल कैंप शिविर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।श्रम विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल तथा छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल के माध्यम से श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ सुनिश्चित करने हेतु खैरागढ़ जिले में दिसंबर माह में निःशुल्क मोबाइल कैंप शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में निर्माण कार्य एवं अन्य स्थापनाओं पर कार्यरत श्रमिक अपने पंजीयन, नवीनीकरण एवं योजना आवेदन की प्रक्रिया निःशुल्क करा सकेंगे। विभाग ने श्रमिकों से अपील की है कि वे शिविर में आवश्यक दस्तावेजों की मूल प्रतियां, जैसे–अपना व परिवार का आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण, राशन कार्ड तथा मोबाइल ओटीपी हेतु आवश्यक मोबाइल सहित उपस्थित हों। दिसंबर माह में जिले के दोनों विकासखंडों–खैरागढ़ एवं छुईखदान में अलग-अलग तिथियों पर कुल 09 ग्राम पंचायतों में ये शिविर आयोजित होंगे।विकासखंड खैरागढ़ में 04 दिसंबर को ग्राम पंचायत गातापार कला, 11 दिसंबर को घोंघेडबरी, 19 दिसंबर को देवरी तथा 26 दिसंबर को प्रकाशपुर में शिविर लगेंगे।इसी प्रकार विकासखंड छुईखदान में 02 दिसंबर को जगमडवा, 09 दिसंबर को झुरानदी, 16 दिसंबर को पैलीमेटा, 23 दिसंबर को जीराटोला तथा 30 दिसंबर को जंगलपुर में श्रमिकों के लिए निःशुल्क शिविर आयोजित किए जाएंगे।

जीवन-रक्षा मिशन में 1324 ग्रामीणों का हुआ परीक्षण एवं उपचार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।बस्तर संभाग के घोर माओवाद प्रभावित नारायणपुर, सुकमा और बीजापुर जिले के अत्यंत दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की ओर से हाल ही में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इन शिविरों ने सुरक्षा चुनौतियों और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों को पार करते हुए सेवा और विशेषज्ञता की नई मिसाल कायम की है। स्वास्थ्य विभाग की इस महत्वपूर्ण पहल में रायपुर मेडिकल कॉलेज सहित डिमरापाल और कांकेर में संचालित मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ ही मेडिकल छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।उन्होंने 21 और 22 नवंबर को आयोजित विभिन्न शिविरों में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार किया। नारायणपुर जिले में ये शिविर ईरकभट्टी, बेड़माकोटी, कस्तूरमेटा और कांदुलपार जैसे दूरस्थ स्थानों पर आयोजित किए गए, जबकि सुकमा में दुलेड़ और लखापाल जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को कवर किया गया। बीजापुर में गूंजेपर्ती, पुतकेल, कोंडापल्ली और मुतवेंडी जैसे स्थानों पर आयोजित इन स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से कुल 1324 ग्रामीणों का सफलतापूर्वक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और सभी को आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं बस्तर डॉ. महेश शांडिल्य ने बताया कि राज्य शासन के निदेर्शानुसार बस्तर अंचल के दूरस्थ अंदरूनी इलाकों के ग्रामीणों को विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता के उद्देश्य से इन स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उक्त शिविरों में स्वास्थ्य जांच उपरांत ईलाज किया जा रहा है। वहीं आवश्यकता के अनुरूप मरीजों को उच्च चिकित्सा संस्थान में उपचार करवाने भेजा जा रहा है। इन स्वास्थ्य शिविरों के जरिए नारायणपुर में 367, सुकमा में 318 और बीजापुर में 639 ओपीडी जांच की गईं। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान गंभीर और स्थानिक रोगों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। इस दौरान कुल 83 मलेरिया पॉजिटिव मामले पाए गए, जिनका तुरंत उपचार शुरू हुआ। टीबी की पहचान के लिए 207 नमूने लिए गए और आदिवासी बहुल क्षेत्रों की एक प्रमुख आनुवंशिक समस्या, सिकलसेल, एनीमिया की पहचान के लिए 464 लोगों की स्क्रीनिंग की गई। इसके अतिरिक्त कुल 212 ग्रामीणों की नेत्र जांच की गई और स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ 129 नए आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। उक्त स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन सुरक्षाबलों के सहयोग और स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले के दृढ़संकल्प का परिणाम है, जो दशार्ता है कि सरकार और प्रशासन दुर्गम क्षेत्रों में भी अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

किसानों के लिए की गई व्यवस्था काफी सुविधाजनक:बीरसाय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

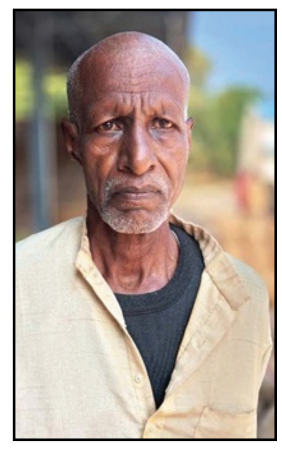

रायपुर।समर्थन मूल्य पर धान खरीदी अभियान के तहत आज कोरिया जिले के ग्राम सागरपुर निवासी 69 वर्षीय किसान श्री बीरसाय राजवाड़े ने कृषि साख सहकारी समिति, जामपारा में पहुंचकर 53.38 क्विंटल धान विक्रय किया। किसान बीरसाय ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष 1.0370 हेक्टेयर भूमि में धान की खेती की थी। खरीदी केंद्र में उन्होंने 53.80 क्विंटल धान की बिक्री की। राज्य सरकार द्वारा निर्धारित 2369 प्रति क्विंटल की समर्थन मूल्य दर के अनुसार उन्हें 127452 रुपए की राशि प्राप्त होगी। उन्होंने बताया कि धान बिक्री से मिली राशि का उपयोग वे खाद-बीज की खरीदी एवं दैनिक उपयोग की आवश्यकताओं को पूरा करने में करेंगे। किसान राजवाड़े ने खरीदी केंद्र की सुगम एवं व्यवस्थित प्रक्रिया की सराहना करते हुए कहा कि इस वर्ष किसानों के लिए की गई व्यवस्थाएँ काफी सुविधाजनक और पारदर्शी हैं।

महिला खाता धारक के खाते से 2लाख 24 हजार गायब,

संवाददाता

पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के वृंदावन योजना सेक्टर 5 में रहने वाली एक महिला खाता धारक के बैंक खाते से 3 दिन में 2लाख 40 हजार रुपए गायब हो गए, पीड़ित ने साइबर सेल,बैंक को सूचना देने के बाद पीजीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। सुषमा कनौजिया पत्नी सौरभ कन्नौजिया तेलीबाग पुलिस चौकी अंतर्गत, सेक्टर 5 ए, वृंदावन योजना राय बरेली रोड पीजीआई लखनऊ में परिवार संग रहती हैं । सुषमा का एक बचत खाता, इण्डियन बैंक शाखा सैनिक नगर, राय बरेली रोड,लखनऊ में चल रहा है। सुषमा ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनके खाते से बीते 31 अक्टूबर से 2 नवम्बर के बीच रुपए निकल गए। 2 नवम्बर को आए मैसेज से उन्हें फ्रॉड की जानकारी हुई।जिसकी सूचना बैंक , साइबर सेल हजरतगंज,को सूचना दी। पीजीआई कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

धनपाल खेड़ा में लाखों की चोरी, शादी के लिए रखे जेवर और नकदी पार

संवाददाता

पीजीआई। थाना क्षेत्र के धनपाल खेड़ा गाँव में चोरों ने एक बंद घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये की नकदी, शादी के लिए रखे सोने-चांदी के जेवर और भगवान की चांदी-पीतल की मूर्तियाँ चोरी कर लीं। बुधवार सुबह जब परिजन सोकर उठे तो घर के मोबाइल फोन भी गायब मिले। परिजनों ने इसकी सूचना डायल 112 पर दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुँची और जाँच के बाद थाने में लिखित तहरीर देने को कहा। धनपाल खेड़ा निवासी शुशांक द्विवेदी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह निजी कंपनी में कार्यरत हैं और परिवार का पालन-पोषण करते हैं। बीते मंगलवार रात खाना खाकर परिवार सो गया था। देर रात चोर घर में प्रवेश कर दो मोबाइल फोन, लगभग ढाई लाख रुपये नकद (जिसमें एक लाख रुपये ऑफिस के थे), चांदी के लक्ष्मीझगणेश, पीतल के सामान, लोहे का कुछ सामान और बेटी की शादी के लिए रखी सोने की चेन, अंगूठी और चांदी की पायल उठा ले गए।

जमीन की लालच में सगे भाई को उतारा मौत के घाट

हत्यारो ने रची झूठी आत्महत्या की कहानी

मां की तहरीर पर तीन रिश्तेदारों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज...

संवाददाता

निगोहां। मोहनलालगंज के राधाकृष्ण गांव निवासी अमित की मौत आत्महत्या नहीं बल्कि सोची-समझी हत्या थी।

परिजन मामले को आत्महत्या साबित करने के लिए लगातार पुलिस को भटकाते रहे लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट होने के बाद पुलिस ने संदिग्धों से कड़ी पूछताछ की तो पूरा सच सामने आ गया जमीन के लालच में मृतक के मौसेरे भाई और दो सगे भाइयों ने ही अमित के सिर पर हमला कर उसकी हत्या की और शव को ऑटो से ले जाकर बांक नाले में फेंक दिया। इधर, मृतक की मां की तहरीर पर तीनों आरोपियों के खिलाफ हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

शव मिला था मौरंग–गिट्टी की दो बोरियों के साथ बंधा हुआ

बीते सोमवार दोपहर राधाकृष्ण खेड़ा गांव के मजदूर अमित (34) का शव निगोहां के गौतमखेड़ा बांक नाले में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। शव के साथ मौरंग-गिट्टी से भरी दो बोरियां बंधी थीं। मामले की गंभीरता देखते हुए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर जांच शुरू की और अमित के बड़े भाई बेचालाल, छोटे भाई प्रेम व मौसेरे भाई महेश को पूछताछ के लिए बुलाया।

पुलिस को भटकाने के लिए रची 'आत्महत्या' की झूठी कहानी

निगोहां थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी के अनुसार, हिरासत में लिए गए तीनों आरोपियों ने पहले आत्महत्या की कहानी गढ़ी और कहा कि डर की वजह से शव को नाले में फेंका गया।

लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर गंभीर चोट और गला कसने की पुष्टि होने के बाद उनकी कहानी धराशायी हो गई। कड़ाई से पूछताछ करने पर पूरी साजिश खुल गई।

जमीन के विवाद में दिया वार, फिर गला दबाकर की हत्या

पुलिस जांच में सामने आया कि जमीन के विवाद को लेकर तीनों आरोपियों का अमित से विवाद हुआ था। कहासुनी के दौरान आरोपियों ने भारी वस्तु से अमित के सिर पर प्रहार किया, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ा। इसके बाद उसका गला दबाकर उसकी हत्या कर दी गई।हत्या के बाद तीनों ने शव को ऑटो में रखा और मौरंग-गिट्टी की दो बोरियां बांधकर उसे बांक नाले में फेंक दिया।

बुधवार को मृतक की मां जगदेई द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने दोनों बेटों व मौसेरे भाई के खिलाफ हत्या सहित कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार मजदूर की मौत

संवाददाता

लखनऊ। मजदूरी करके वापस घर लौट रहे बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में उसे सीएचसी पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। माल थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर निवासी राकेश (40) बुधवार शाम को मलिहाबाद केवलहार विद्यालय से मजदूरी करके बाइक पर सवार होकर वापस अपने घर लौट रहा था। तभी माल रोड पर बॉर्डर के समीप तेज रफ्तार अज्ञात डाले ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से उसे माल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिवार में पत्नी टीनू, दो बेटे अरुण, आयुष है. जिनका रो-रो कर बुरा हाल है।

यूपी में उद्योगों के लिए और सस्ती होगी जमीन

लीज रेंट घटाने की तैयारी में योगी सरकार, खेल उद्योग की तर्ज पर डेवलप होंगे क्लस्टर

संवाददाता

लखनऊ। राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए भूमि और सस्ती की जाएगी। साथ ही लीज रेंट को कम किया जाएगा। सरकार अलग-अलग श्रेणी के उद्योगों के लिए मेरठ के खेल उद्योग की तर्ज पर अलग-अलग क्लस्टर विकसित करेगी। वहीं औद्योगिक भूमि के आवंटन में स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को प्राथमिकता दी जाएगी। उद्योगों के लिए नीलामी की बजाय लाटरी के जरिए भूखंडों का आवंटन करने की भी नीति तैयार की जा रही है।

बुधवार को औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी की अध्यक्षता में उनके सरकारी आवास पर औद्योगिक सुधारों को लेकर हुई समीक्षा बैठक में उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया को और सरल बनाने की रणनीति तय की गई। बैठक में नन्दी व एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि राज्य में औद्योगिक निवेश को और गति प्रदान करने के लिए औद्योगिक क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। विभिन्न औद्योगिक विकास प्राधिकरणों में भूखंड उपलब्ध कराने के नियम और शर्तों को एक समान बनाया जाए। भूखंड के हस्तांतरण की व्यवस्था को समाप्त कर आवंटित भूमि का उपयोग केवल उद्योगों स्थापना के लिए होना चाहिए। मंत्रियों ने निर्देश दिया कि ऐसा न करने वालों के भूखंडों का आवंटन रद किए जाए। बैठक में यह भी प्रस्तावित किया गया कि सूक्ष्म उद्यमियों को कम किस्तों पर शेड उपलब्ध कराकर प्लग एंड प्ले सुविधा विकसित की जाए।

मलिहाबाद में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत युवा मोर्चा सम्मेलन संपन्न

संवाददाता

लखनऊ। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत बुधवार को मलिहाबाद के खड़ता चौराहा पर युवा मोर्चा द्वारा मंडल स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विनय प्रताप सिंह ने की, जहां क्षेत्र के युवा कार्यकताओं का उत्साह देखते ही बनता था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विजय मौर्य ने युवाओं को संबोधित करते हुए आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और इसी उद्देश्य से संगठन निरंतर युवाओं को जोड़ने का कार्य कर रहा है। इस अवसर पर युवा मोर्चा सोशल मीडिया प्रभारी चिंतामणि त्रिपाठी, भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष द्विवेदी, पूर्व मंडल अध्यक्ष जितेंद्र अवस्थी, आदेश द्विवेदी, मिंटू मौर्य समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान संगठनात्मक मजबूती, युवाओं की भागीदारी और आने वाले कार्यक्रमों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

गन्ना किसानों से लोडिंग-अनलोडिंग शुल्क वसूलने पर होगी कार्रवाई, आयुक्त ने दिए ये कड़े निर्देश

संवाददाता

लखनऊ। गन्ना क्रय केंद्रों पर किसानों से लोडिंग-अनलोडिंग शुल्क लिए जाने की शिकायतों पर गन्ना आयुक्त मिनिस्ती एस. ने विभागीय अधिकारियों को निगरानी के निर्देश दिए हैं। कहा है कि अधिकारी क्रय केंद्रों आदि का नियमित निरीक्षण करें और शिकायतों पर संबंधित कर्मियों, ट्रांसपोर्टर पर उप्र गन्ना (पूर्ति तथा खरीद विनियमन) नियमावली के तहत कार्रवाई की जाए। अधिकारियों को घटतौली को लेकर भी निगरानी की हिदायत दी गई है।

प्रदेश की अधिकांश चीनी मिलों में वर्तमान में गन्ना पेराई का कार्य शुरू हो चुका है। इस बीच विभाग को चीनी मिल गेट व बाह्य गन्ना क्रय केंद्रों पर घटतौली व किसानों से गन्ने की लोडिंग-अनलोडिंग का शुल्क मांगने की शिकायतें मिल रही हैं। इस पर गन्ना आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि परिक्षेत्र के उप चीनी आयुक्त, उप गन्ना आयुक्त, जिला गन्ना अधिकारी, सहायक चीनी आयुक्त और चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक यह सुनिश्चित करेंगे कि घटतौली की शिकायत न मिले।

किसानों से शुल्क वसूली की शिकायत सही पाए जाने पर दोषी तौल लिपिकों, चीनी मिलों एवं अनुबंधित ट्रांसपोर्टरों का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाए। परिक्षेत्रीय अधिकारियों को गन्ना डायवर्जन पर भी अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

जेम पोर्टल से ही सामग्री क्रय करेगा गन्ना विभाग

अपर मुख्य सचिव गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग वीना कुमारी की अध्यक्षता में बुधवार को चीनी मिलों के महाप्रबंधकों, उप गन्ना आयुक्तों, जिला गन्ना अधिकारियों और विभागीय कार्मिकों के साथ गन्ना किसान संस्थान सभागार में जेम पोर्टल पर खरीद-बिक्री एवं सेवा प्रदाता विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि विभाग में सभी प्रकार की सामग्री का क्रय एवं सेवा प्रदाता कार्य केवल जेम पोर्टल के माध्यम से ही किए जाएंगे, जिससे विभागीय खरीद प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता न हो। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से इसका पालन करने एवं समय-समय पर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए हैं।

पुलिस ने आधे घंटे में ऑटो में छूटा पर्स महिला को सकुशल बरामद कर लौटाया

पुलिस की सराहनीय कार्य से पर्स पाकर महिला के चेहरे में लौटी मुस्कान

संवाददाता

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर पुलिस ने बुधवार को सराहनीय कार्य करते हुए एक महिला का ऑटो में छूटा पर्स महज आधे घंटे में सकुशल बरामद कर लौटा दिया। पर्स में करीब डेढ़ लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण, नगदी व महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे हुए थे। सरोजनी नगर थाने की शांतिनगर चौकी प्रभारी शिवराज सिंह के मुताबिक क्षेत्र के त्रिमूर्ति नगर निवासी हेमा देवी बुधवार शाम करीब 6 बजे तेलीबाग से ऑटो रिक्शा से घर लौट रही थीं। शांति नगर के पास 6:30 बजे ऑटो से उतरते समय उनका पर्स वाहन में ही छूट गया। घर पहुंचने पर पर्स गायब मिलने पर उन्होंने आनन फानन पुलिस कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर ऑटो का नंबर ट्रेस किया। बाद में पुलिस टीम ने तुरंत दबिश देकर चालक को ढूंढ निकाला और मात्र 30 मिनट के भीतर पर्स बरामद कर लिया। पुलिस के मुताबिक पर्स में मंगलसूत्र, पायल, सोने के झुमके सहित अन्य जेवर, कुछ नगदी तथा जरूरी कागजात थे, जिनकी कुल कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपये आंकी गई है। वहीं पर्स मिलते ही हेमा देवी ने राहत की सांस ली और स्थानीय लोगों के साथ सरोजनीनगर पुलिस की तत्परता की सराहना की।

सम्पादकीय

राम मंदिर पर फहरी ध्वजा बताती संघर्ष की दास्तां

आखिरकार वो दिन आ ही गया जिसका सदियों से इंतजार था। पांच शताब्दियों के बाद अयोध्या में राम मंदिर संपूर्ण हो गया। प्राण प्रतिष्ठा के 673 दिनों बाद प्रधानमंत्री मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। यह सब 25 नवंबर के उस खास विवाह पंचमी के दिन हुआ, जिसे त्रेतायुग में भगवान राम और सीता के विवाह दिवस के रूप में जाना जाता है। भगवान राम का जन्म रघुवंश में हुआ था। रघुवंश में ध्वज की परंपरा रही है। भगवान राम के वंश के लिए कोविदारा वृक्ष का प्रतीक झंडा माना जाता है। अब आयोध्या में उसी विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर पर ध्वजारोहण कर रहे थे, तब पूरा देश न केवल आस्था से सराबोर था बल्कि चौतरफा उल्लास का माहौल भी देखा गया। क्योंकि ये दिन लंबे संघर्ष और बलिदान के बाद आया। 16वीं शताब्दी में मंदिर के ध्वंस से 2024 में मंदिर निर्माण तक हिन्दू समाज और भगवान राम के भक्तों के धैर्य और बलिदान की पूरी दास्तां है। इतिहास बताता है कि 1528 में भारत पर मुगल आक्रमण के दौरान बाबर के सेनापति मीर बाकी ने राम जन्मभूमि पर बने मंदिर को गिराकर मस्जिद का निर्माण करवा दिया। यहीं से शुरू हुआ संघर्ष, जो धर्म, सत्य, इतिहास और अस्तित्व का प्रश्न बन गया। राम भक्तों ने संघर्ष छोड़ा नहीं, हर युग में लड़ाई जारी रही। 1530 से 1857 तक हिन्दू समाज लगातार जन्मभूमि पर पूजा करता रहा। कई लड़ाइयां लड़ी गईं। इसे लेकर हिन्दू–मुस्लिम समुदाय में कई बार इस स्थल पर टकराव हुआ, लेकिन रामभक्त पीछे नहीं हटे। 1857 के बाद ब्रिटिश राज के दौरान अंग्रेजों ने पूजा स्थल पर बैरिकेड लगाकर हिन्दुओं-मुसलमानों के हिस्से अलग किए, लेकिन पूजा और दावे का संघर्ष बदस्तूर जारी रहा। राम भक्त हर हाल में मंदिर के फिर से निर्माण पर अटल रहे। 1949 के दौरान मध्यरात्री में रामलला की प्रतिमा प्रकट हुई। भक्तों की मान्यता है कि रामलला स्वयं प्रकट हुए। इससे हिन्दू आस्था और भी गहरी हो गई, लेकिन स्थल को विवादित मानकर ताला लगा दिया गया। 1986 में कोर्ट के आदेश से हिन्दुओं के लिए ताला खोला गया और यहीं से शुरू हुआ देशव्यापी आंदोलन। 1987 से 1989 के बीच आंदोलन ने नई गति पकड़ी। 1990 में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की रामरथ यात्रा ने आंदोलन को निर्णायक मोड़ दिया। इस यात्रा में नरेंद्र मोदी मुख्य प्रबंधक और रूट समन्वयक की भूमिका में थे। 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने सबूत, पुरातत्व और इतिहास के आधार पर फैसला सुनाया कि यह स्थल राम जन्मभूमि ही है। यहां मंदिर ही बनेगा। यह फैसला 500 वर्षों की न्यायिक यात्रा का अंत और मंदिर निर्माण का आधिकारिक आरंभ था। 2020 से 2024 तक मंदिर निर्माण का समय था। 5 अगस्त 2020 को भूमि पूजन के बाद मंदिर निर्माण शुरू हुआ। विश्व-स्तरीय मंदिर आकार लेने लगा और और 22 जनवरी 2024 को रामलला प्रतिमा की भव्य प्राण प्रतिष्ठा हुई। अब ध्वजारोहण के बाद मंदिर निर्माण पूर्ण हो गया। मंदिर की हर ईंट में संघर्ष, बलिदान, आस्था और विजय की कहानी लिखी है और हर ईंट राम के भक्तों में न केवल आस्था बल्कि जोश और उल्लास का नव संचार करती है।

डॉक्टरों के सफेद कोट पर आतंक का दाग

विचार
डॉ . संजय शुक्ला

डॉक्टरों को 'गॉड ऑफ अर्थ' यानि धरती का भगवान कहा जाता है जो लोगों को जिंदगी देते हैं लेकिन जब खुद डॉक्टर ही लोगों की जान लेने लगे तो यह सोचनीय है। बीते 10 नवंबर को दिल्ली के लाल किले के नजदीक हुए कार धमाके की साजिश में डॉक्टरों की संलिप्तता ने इस पेशे की साख पर बट्टा लगा दिया है। इस आतंकी घटना की जांच जैसे - जैसे आगे बढ़ रही है वैसे-वैसे चौंकाने वाली बातें सामने आ रही है। गौरतलब है कि दिल्ली में हुए आतंकी बम ब्लास्ट की साजिश में इक्का-दुक्का नहीं बल्कि दर्जनों डॉक्टरों के शामिल होने की खबरें आ रही है। दिल्ली ब्लास्ट में गिरफ्तार आतंकियों से यह खुलासा हुआ है कि आतंक के डॉक्टरों की साजिश 32 कारों के जरिए देश को दहलाने की थी। इसी दौरान गुजरात के एक डॉक्टर के पास से 'रिसिन' नामक घातक जहरीला रसायन बरामद किया गया जिसका इस्तेमाल देश में लाखों लोगों को मारने के लिए किया जाने वाला था। इन आतंकी डॉक्टरों का नेटवर्क पाकिस्तान और तुर्किया के आतंकवादी संगठनों के साथ था।

दिल्ली में हुए आतंकी धमाके के ठीक एक दिन पहले जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और उत्तरप्रदेश के कई शहरों के डॉक्टरों से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुए थे। जांच एजेंसियों ने इस 'व्हाइट कॉलर टेरर माड्यूल' में संलिप्त अनेक डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है जो अल्पसंख्यक समुदाय के हैं। पुलिस ने इस साजिश में संलिप्त महिला डॉक्टर शाहीन शाहिद को गिरफ्तार किया है वहीं हरियाणा के रोहतक के सरकारी मेडिकल कॉलेज में एमडी फाइनल ईयर की पढ़ाई कर रही डॉ. प्रियंका शर्मा को भी पुलिस ने इस मामले में हिरासत में लिया है। जांच में यह बात सामने आई है कि मैडम सर्जन के नाम से पुकारी जाने वाली डॉ. शाहीन लेडी आतंकियों की टीम बनाना चाहती थी और बकायदा उसने इसके लिए लड़कियों की लिस्ट बनाई थी। डॉक्टरों के पास से एके 47 रायफल और पिस्तौल तथा गोला -0बारूद भी बरामद हुआ है।

गौरतलब है कि आतंकी हमले को अंजाम देने वाले और साजिश में शामिल डॉक्टरों के तार फरीदाबाद के अल- फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े हुए हैं।जांच एजेंसियों के घेरे में अल फलाह यूनिवर्सिटी के 200 डॉक्टर और कर्मचारी हैं। इस यूनिवर्सिटी का नाम आज से 18 साल पहले तीन राज्यों में हुए बम ब्लास्ट से जुड़ रहे हैं जो मेडिकल कॉलेज के आड़ में पनप रहे आतंक का बदनुमा दाग है। दिल्ली आतंकी हमले मामले की जांच जैसे - जैसे आगे बढ़ रही है वैसे-वैसे इस आतंकी षड़यंत्र में अन्य डॉक्टरों और

मेडिकल स्टुडेंट्स की संलिप्तता भी सामने आ रही है। बहरहाल यह पहली दफा नहीं है जब किसी शिक्षण संस्थान या यूनिवर्सिटी का नाम आतंकवादी या देश विरोधी गतिविधियों से जुड़ा है। कुछ साल पहले दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी ' जेएनयू ' में राष्ट्र विरोधी नारे तथा आतंकियों के समर्थन में छाती पीटने की घटना घट चुकी है। ऐसे घटनाओं से हमें सबक लेना होगा अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब शिक्षा के मंदिरों से देश विरोधी ताकतों को समर्थन मिलने लगेगा।

बहरहाल देश और दुनिया में घटित हो रहे आतंकवादी गतिविधियों में प्रोफेसर, इंजीनियर, डॉक्टर और उच्च शिक्षित लोगों के आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता यह भी बात साबित हो रही है कि अब आतंक सीमापार प्रशिक्षण शिविर या धार्मिक स्थलों से ही संचालित नहीं हो रहा है बल्कि लैपटॉप और स्मार्ट फोन के जरिए यूनिवर्सिटीज और कॉलेजों में पढ़ने वाले युवाओं का ब्रेनवाश कर रहा है। विचारणीय है कि देश में एक विचारधारा अभिव्यक्ति की आजादी और मानवाधिकार के नाम पर अलगाववादी और माओवादी ताकतों का समर्थन कर रही जिसे सोशल मीडिया के जरिए बढ़ावा मिल रहा है। 'व्हाइट कॉलर टेरर माड्यूल' के तार केवल भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के देशों तक फैले हैं जो दहशतगर्दों की जमात तैयार कर रहे हैं। हालिया घटना में गिरफ्तार डॉक्टरों की बात करें तो इनमें से अनेक डॉक्टर अपने पेशे और पढ़ाई में काफी मेधावी थे। सफेदपोश आतंकवाद के वैश्विक नेटवर्क के इतिहास पर गौर करें तो आतंकी संगठन अलकायदा का संस्थापक अल जवाहिरी की पहचान एक सर्जन और इस्लामिक बुद्धिजीवी के तौर पर थी। इसी कड़ी में खूंखार आतंकवादी ओसामा बिन लादेन के पास इंजीनियरिंग की डिग्री थी तो आतंकी संगठन आईएसआईएस का पूर्व मुखिया अबू बकर बग़दादी स्कॉलर था।

दुनिया भर में आतंकवाद का चेहरा बने संगठन अलकायदा और आईएसआईएस डॉक्टर और इंजीनियर पेशेवरों को शामिल करने के लिए भर्ती अभियान चला रखा है।भारत में दक्षिण कश्मीर कट्टरपंथियों का गढ़ रहा है जहां आतंकी संगठन हिजबुल, लश्कर-ए-तैयबा और जैश ने प्रोफेशनल और उच्च शिक्षित युवाओं को आतंक की राह पकड़ने के लिए उनका 'ब्रेनवॉश' किया। इन कट्टरपंथी संगठनों ने पहले कश्मीर घाटी के स्कूली बच्चों के हाथ पत्थर थमाया फिर अपने नेटवर्क में प्रोफेसर, इंजीनियर, एमबीए, एमफिल और शिक्षकों को शामिल किया। अब इन संगठनों ने ऐसे लोगों को चुना जिनका पहले कोई आतंकी रिकॉर्ड न रहा हो और इस मापदंड में डॉक्टर मुफीद बैठे।आतंकी संगठन में डॉक्टरों को शामिल करने की पीछे अहम मंशा लोगों के बीच इस पेशे के प्रति सम्मान और भरोसा है जिसके चलते कोई डॉक्टर को आतंकी होने पर शक नहीं करेगा और आतंकी अपने मंसूबे पर कामयाब हो जाएंगे।

गौरतलब है कि डॉक्टरी को पवित्र पेशा माना जाता है लेकिन इस बम धमाके ने डॉक्टरों के सफेद कोट के पीछे छिपे आतंकी चेहरे को बेनकाब कर दिया है। आतंकवादी संगठनों ने समाज में डॉक्टरों के प्रति भरोसे का इस्तेमाल आतंक फैलाने के लिए किया वह समूचे चिकित्सा बिरादरी और समाज के लिए चिंताजनक है। भारत में शिक्षक और डॉक्टर की सर्वाधिक सामाजिक प्रतिष्ठा रही है तथा पेशेवर तौर पर इन्हें धार्मिक और जातिगत तौर पर सबसे सहिष्णु माना जाता है। विडंबना है कि देश और दुनिया में बढ़ रहे धार्मिक उन्माद और नफरत के चलते डॉक्टर भी अब मजहबी कट्टरपंथ के चंगुल में फंसकर विवेकशून्य हो रहे हैं जो चिंताजनक है। अलबत्ता भारत में किसी मेडिकल शिक्षा संस्थान और डॉक्टरों के आतंकवादी हिंसा में संलिप्त होने का सनसनीखेज मामला समाज और देश के लिए बहुत बड़ा सवाल पैदा कर रहा है।

अलबत्ता धर्म और जाति के नाम पर बढ़ रही कट्टरता अब कानून और व्यवस्था के साथ ही मानवता के लिए भी खतरा बन रहा है। विचारणीय यह भी कि दिल्ली बम धमाके में शामिल डॉक्टर पढ़ाई में मेधावी थे और उनके सामने एक अच्छा कैरियर था बावजूद उन्होंने आतंकवाद का रास्ता क्यों चुना? अभी तक कट्टरपंथी समूहों के टारगेट पर कम पढ़े-लिखे, बेरोजगार और गरीब किशोर और युवा थे लेकिन अब उनके निशाने पर उच्च शिक्षित युवा हैं। अहम सवाल यह भी कि क्या उच्च शिक्षित युवाओं के बुद्धि पर धार्मिक कट्टरवाद का जूनून इस कदर हावी हो सकता है कि वह अपनी जान देकर हजारों लोगों के जान लेने उतारु हो जाए? इन सवालों का जवाब सभी धर्मों के धर्मगुरुओं, बुद्धिजीवियों, धार्मिक और राजनीतिक संगठनों को ढूंढना होगा। बहरहाल नैतिक मूल्यों के अवमूल्यन के वर्तमान दौर में डॉक्टरी पेशा पहले से ही दागदार था लेकिन डॉक्टरों के एप्रन पर लगे इस खूनी दाग ने इस पेशे की भरोसे और शुचिता को काफी खंडित किया है जिसकी भरपाई जरुरी है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

विशेष

प्रो . (डॉ .) भारत

भारतीय संविधान : राष्ट्रीय जीवन का आधार

भारतीय संविधान केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्रीय जीवन का मुख्य आधार है। 26 नवम्बर 1949 को इसे अंगीकार कर राष्ट्र ने एक ऐसे भविष्य की नींव रखी, जिसमें न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को सर्वोपरि स्थान दिया गया। संविधान दिवस, उस ऐतिहासिक क्षण का स्मरण मात्र नहीं है; यह हमारे दायित्वों, उपलब्धियों और चुनौतियों पर पुनर्विचार का अवसर भी है। हमारा संविधान हमारी स्वतंत्रता का संरक्षक और लोकतंत्र का वाहक भी है। भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से लेकर समान अवसरों की आधारशिला तक, संविधान ने नागरिकों को ऐसे अधिकार दिए हैं जो किसी भी जीवंत लोकतंत्र की मूल शर्तें हैं। मौलिक अधिकारों की यह संरचना प्रत्येक व्यक्ति को यह विश्वास दिलाती है कि राज्य उसके साथ न्याय करेगा और उसकी गरिमा की रक्षा करेगा। परंतु यह भी सच है कि अधिकार तभी सार्थक बनते हैं जब नागरिक अपने दायित्वों को समान गंभीरता से निभाएं। भारतीय संविधान ने इस संतुलन को समझते हुए नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों को भी उतना ही महत्व दिया है। बदलते सामाजिक-राजनीतिक परिवेश में कर्तव्यों की यह सूची केवल एक नैतिक आग्रह नहीं रही, बल्कि राष्ट्र निर्माण की अनिवार्य शर्त के रूप में उभरी है। संविधान दिवस हमें यह याद दिलाता है कि लोकतंत्र केवल मतदान करने का अधिकार ही नहीं है, बल्कि निरंतर सहभागिता का दायित्व भी है। आज से लगभग आठ दशक पहले, जब संविधान सभा ने अपना कार्य प्रारम्भ किया, तब भारत अनेक जटिल समस्याओं और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों से जूझता रहा था। उन परिस्थितियों में डॉ. भीमराव आंबेडकर, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, सरदार वल्लभभाई पटेल सहित सभी महान मनीषियों ने मिलकर एक ऐसा दस्तावेज तैयार किया, जिसने भारतीय समाज की बुनावट को समझते हुए एक समावेशी ढांचा प्रस्तुत किया। यह संविधान उनकी दृष्टि, संघर्ष और दूरदर्शिता का साक्ष्य है। यह उसी विरासत का परिणाम है कि आज भारत विश्व का सबसे बड़ा और सबसे स्थिर लोकतंत्र है। संविधान दिवस हमें न केवल इन महान आत्माओं का ऋणी होने का एहसास कराता है, बल्कि यह भी प्रेरित करता है कि हम उनकी कल्पना के अनुरूप राष्ट्र का निर्माण करें। बदलते समय में संविधान की प्रासंगिकता पर एक नजर डालें तो तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में संविधान की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर अपराध, पर्यावरण संकट और वैश्विक अर्थव्यवस्था जैसे नए मुद्दे हमारे सामने ऐसी चुनौतियां रखते हैं, जिनकी कल्पना संविधान रचयिताओं ने उस रूप में शायद न की हो, परंतु उनकी स्थापित मूल-नीतियां आज भी मार्गदर्शन देती हैं। कर्तव्य हमेशा से ही राष्ट्र निर्माण का मूलाधार रहते हैं। जहां एक और अधिकार व्यक्ति को सशक्त बनाते हैं, वहीं दूसरी ओर कर्तव्य समाज और राष्ट्र को मजबूत करते हैं। आज संविधान दिवस के अवसर पर यह आवश्यक है कि हम कर्तव्यों को केवल कानूनी या नैतिक सूची के रूप में न देखें, बल्कि उन्हें अपने दैनिक नागरिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं। समाज और सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा, स्त्री-पुरुष समानता को प्रोत्साहन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास, पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता और संविधान के आदर्शों का पालन ये मात्र लिखित बिंदु नहीं, बल्कि नागरिकता के वास्तविक मानदंड हैं। लोकतंत्र तभी कायम रहता है जब नागरिक अनुशासित, सजग और सहभागी हों। संविधान दिवस सही मायने में आत्ममंथन और संकल्प का अवसर है। आज जब भारत विश्व राजनीति, अर्थव्यवस्था और तकनीक के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है, तब संविधान की मूल भावना 'हम भारत के लोग' और भी प्रासंगिक हो उठती है। यह हमें याद दिलाती है कि राष्ट्र केवल शासन या सरकार से नहीं, बल्कि नागरिकों के सामूहिक संकल्प से चलता है। आज संविधान दिवस हमें दो प्रश्न पूछने को प्रेरित करता है... क्या हम अपने संवैधानिक अधिकारों का सम्मान और उपयोग पूरी जिम्मेदारी के साथ कर रहे हैं? क्या हम अपने कर्तव्यों को निभाकर राष्ट्र की प्रगति में वास्तविक योगदान दे रहे हैं? यह दिन आत्ममंथन का भी अवसर है, जहां हमें यह स्वीकार करना होगा कि भ्रष्टाचार, असमानता, भीड़-मानसिकता, हिंसा और विभाजनकारी प्रवृत्तियां हमारे लोकतांत्रिक चरित्र को चुनौती देती हैं। संविधान दिवस हमें इन प्रवृत्तियों से सावधान करता है और आदर्शों की ओर पुनः लौटने का आग्रह करता है।

(लेखक कानून के वरिष्ठ प्रवक्ता हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

भगवान के चरणों में स्वयं को अर्पित करना ही ज्ञान

संकलित
दर्शन

सर्व सामर्थ्य होते हुए भी अहंशून्य होकर स्वयं को भगवान के चरणों अर्पित कर देना ही ज्ञान, भक्ति और कर्म की परिपूर्णता है। भगवान के परम भक्त बालिपुत्र अंगद ने रावण की सभा में अपना एक पैर रोपकर अपने मुष्टिप्रहार से रावण के दसों मुकुटों को सिर से गिरा

दिया था, वहां चार मुकुटों को बीच में उछालकर भगवान के पास भेज दिया था। लंका से लौटकर आए अंगद से जब भगवान श्रीराम ने पूछा कि तुमने ये मुकुट कहां और कैसे प्राप्त किए, तब अंगद ने धर्म और ईश्वर से विमुख व्यक्ति की तात्विक व्याख्या की है। अंगद विनम्र भाव से कहते हैं, प्रभु! ये चार मुकुट नहीं, राजनीति के चार पद हैं, जिन पर चलकर व्यक्ति व्यवहार करते हुए भी परमार्थ को प्राप्त कर लेता है। रावण आपसे और धर्म से विमुख हो चुका है, इसलिए राजनीति के चारों चरणों (साम, दाम, दंड और भेद) का दुरुपयोग कर रहा था, इस कारण मुकुट के रूप में ये चारों उसको छोड़कर आपकी शरण में आ गए हैं। रावण ने शेष छह मुकुट जो सिर पर धारण कर रखे हैं, वे साधक के जीवन में रहने वाली षड्संपत्ति (शम, दम, उपरति, तितीक्षा, श्रद्धा और समाधान) हैं। चूंकि रावण उनका भी दुरुपयोग कर रहा था, इसलिए ये षड्संपत्ति न रहकर विकार बनकर रावण के सिर पर शासन कर रहे हैं, जो उसके विनाश के कारण बनेंगे। मेरे प्रभु! गुण तो केवल वे ही हैं, जिन्हें आपने स्वीकारा है। शेष सब अवगुण ही हैं। गुणों का योग जब तक भगवान से नहीं होगा, तब तक व्यक्ति उसका उपयोग और कहां करेगा?

सेवा का समर्पण भाव

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक राजा भोजन कर रहा था, अचानक खाना परोस रहे सेवक के हाथ से थोड़ी सी सब्जी राजा के कपड़ों पर छलक गई। राजा की त्यौरियां चढ़ गयीं। जब सेवक ने यह देखा तो वह थोड़ा घबराया, लेकिन कुछ सोचकर

उसने प्याले का बचा सारी सब्जी भी राजा के कपड़ों पर उड़ेल दी। अब तो राजा के क्रोध की सीमा न रही। उसने सेवक से पूछा, तुमने ऐसा करने का दुस्साहस कैसे किया? सेवक ने अत्यंत शांत भाव से उत्तर दिया, महाराज! पहले आपका गुस्सा देखकर मैनें समझ लिया था कि अब जान नहीं बचेगी। लेकिन फिर सोचा कि लोग कहेंगे की राजा ने छोटी सी गलती पर एक बेगुनाह को मौत की सजा दी। ऐसे में आपकी बदनामी होती। तब मैनें सोचा कि सारी सब्जी ही उड़ेल दूं। ताकि दुनिया आपको बदनाम न करे। और मुझे ही अपराधी समझे। राजा को उसके जबाव में एक गंभीर संदेश के दर्शन हुए और पता चला कि सेवक भाव कितना कठिन है। जो समर्पित भाव से सेवा करता है उससे कभी गलती भी हो सकती है फिर चाहे वह सेवक हो, मित्र हो, या परिवार का कोई सदस्य, ऐसे समर्पित लोगों की गलतियों पर नाराज न होकर उनके प्रेम व समर्पण का सम्मान करना चाहिए। क्योंकि ये ही लोग हमारे सच्चे हितैषी और सेवक होते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

श्रमिकों का बुढ़ापा भी सुरक्षित हो

देश की आर्थिकी को मजबूती प्रदान करने के लिए कृषि के बाद अगर कोई दूसरी चीज है तो वो है उद्योग जगत और उद्योग जगत को कामयाब बनाने में श्रमिकों का भी कोई कम योगदान नहीं होता है। यह अलग बात है कि आज आजाद देश में कुछ लोग श्रमिकों को अपना गुलाम समझते हैं और आज भी श्रमिकों को उनके उतने अधिकार नहीं मिलते जितने मिलने चाहिए। अब मोदी सरकार ने श्रमिकों को अपनी तरफ से राहत देने के लिए इन्हें और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नई श्रम संहिता नीति को हरी झंडी दी है। लेकिन नई श्रम संहिता में सरकार ने श्रमिकों के बुढ़ापे को सुरक्षित करने और आर्थिक मदद के लिए श्रमिकों को उचित पेंशन का प्रावधान क्यों नहीं किया? उनका बुढ़ापा सुरक्षित होना चाहिए।

– मनोज कश्यप, दुर्ग

करंट अफेयर

चीन का भारतीय महिला को परेशान करने से इनकार

चीन ने मंगलवार को इन आरोपों को गलत बताया कि अरुणाचल प्रदेश की एक भारतीय महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर परेशान किया गया। चीन ने कहा कि चीनी आव्रजन अधिकारियों ने जो कार्रवाई की, वह कानून और नियमों के मुताबिक थी। ब्रिटेन में रहने वाली भारतीय नागरिक पेमा वांगजोम थोंगडोक 21 नवंबर को लंदन से जापान जा रही थीं। उन्होंने दावा किया कि उनका तीन घंटे का तय ठहराव तब बहुत बुरा हो गया जब आव्रजन वालों ने उनके पासपोर्ट को सिर्फ़ इसलिए "अवैध" घोषित कर दिया क्योंकि उसमें अरुणाचल प्रदेश उनका जन्मस्थान लिखा था। थोंगडोक के साथ हुई इस घटना पर जवाब मांगने पर, चीनी विदेश मंत्रालय की

प्रवक्ता माओ निंग ने दावा किया कि उक्त महिला के साथ किसी भी तरह के अनिवार्य कदम, हिरासत या उत्पीड़न नहीं हुआ, जैसा कि उसने आरोप लगाया है। माओ ने कहा कि एयरलाइन ने उनके लिए विश्राम, खाने–पीने की व्यवस्था भी की थी। माओ ने कहा, "हमें पता चला कि चीन के सीमा निरीक्षण अधिकारियों ने कानूनों और नियमों के हिसाब से सभी प्रक्रिया पूरी की है और संबंधित व्यक्ति के कानूनी अधिकारों और हितों की पूरी तरह से रक्षा की है।"

ऑफ बीट

आपका बैंक पहले ही एआई का इस्तेमाल कर रहा है

दुनिया की पहली ऑटोमेटेड टेलर मशीन या एटीएम को नॉर्थ लंदन में बार्कलेज बैंक की एक ब्रांच में जून 1967 में एक बड़े समारोह में शुरू किया गया था। वह

पहला सिस्टम आज के सिस्टम से थोड़ा अलग दिखता था, जिसे हम जानते और इस्तेमाल करते हैं। लेकिन लगभग छह दशक बाद, ऐसी दुनिया की कल्पना करना मुश्किल है, जहाँ लोग सिर्फ़ बैंकिंग घंटों के दौरान ही नकदी निकाल सकें। अब, ऑस्ट्रेलिया और दुनिया भर में, बैंक इस बात पर बड़ा दांव लगा रहे हैं कि एक नए तरह का ऑटोमेशन उनके बिज़नेस मॉडल को बदल देगा और वह है : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)। बेंडिगो बैंक ने बताया कि उसने गूगल के साथ कई साल का समझौता किया है। इसके तहत वह टेक कंपनी के जेमिनी एंटरप्राइज एआई प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कई कामों में मदद के लिए करेगा, जिसमें लोन एप्लीकेशन की जांच करना और धोखाधड़ी का पता लगाना शामिल है। यह अगस्त में घोषित कॉमनवेल्थ बैंक और ओपनएआई के बीच एक बड़े करार के बाद हुआ है, जिसका मकसद ग्राहकों और कर्मचारियों के लिए एडवांस्ड एआई लाना है। अभी, एआई बैंकों और कर्मचारियों की फ़ैसले लेने में मदद कर रहा है। यह धोखाधड़ी और घोटालों की जांच कर रहा है, क्रेडिट स्कोर का पता लगा रहा है, ट्रेडिंग और इन्वेस्टमेंट एक्टिविटी में मदद कर रहा है।

ट्रेंड

इतिहास रचा गया

श्री राम जन्मभूमि मंदिर में धर्म ध्वजारोहण उत्सव का साक्षी बनना ऐसा क्षण है जिसका भारत और दुनिया के करोड़ों लोगों को बेसब्री से इंतजार था। अयोध्या में इतिहास रचा गया है और यह हमें प्रभु श्री राम के दिखाए मार्ग पर चलने को प्रेरित करेगा।

- **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

मंदिर निर्माण का सपना

अयोध्या में श्रीराम मंदिर के शिखर पर प्रधानमंत्री द्वारा सम्पन्न ध्वजारोहण युगों की तपस्या का पूर्णत्व है। श्रीराम मंदिर निर्माण का वह सपना, जिसे मेरी पूज्या आजी अम्मा राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी ने देखा था, वो आज भव्य सांस्कृतिक पुनर्जागरण बनकर साकार खड़ा है।

- **ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री**

जवाब देने वाला कौन

हर सांस के साथ जीवन बढ़ना चाहिए, घटना नहीं। दिल्ली प्रदूषण की राजधानी बन गया है। एनसीआर के लोगों का जीवन बचाने के लिए भाजपा सरकार क्या रही है, इसका जवाब देने वाला कोई है क्या?

- **अखिलेश यादव, सपा नेता**

बलिदान की गाथा

हमारे जीते जी अयोध्या में हमें श्री राम मंदिर पर ध्वजारोहण समारोह देखने का अवसर प्राप्त हुआ। मोदी जी के कांपते हाथ और आंखो में अश्रुओं की हल्की सी धारा हजारों लाखो श्रद्धालुओं और राम भक्तों के बलिदान की गाथा कहते है। जय हो

- **अनुपम खेर, अभिनेता**

आम सूचना

रजिस्ट्री पेपर गुमा

यह सूचित किया जाता है कि श्री जितेन्द्र सोनी पिता श्री अम्बिका प्रसाद सोनी निवासी नवापारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) मेरे पत्नी श्रीमती प्रीती सोनी पति श्री जितेन्द्र सोनी के स्वामित्व व आधिपत्य के परिवर्तित अवासीय भूमि, जिसका खसरा नं. 519/4 (पूर्व खसरा नं. 519 का भाग) रकबा 0.020 हेक्टेयर व 202.4 वर्गमीटर है जो कि मौजा नामनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) में स्थित है जिसका का पुराना विकय विलेख जो विक्रेता श्री गोपाल राम पिता श्री रामप्रसाद राम व केता श्रीमती वंदना गुप्ता पति श्री शिव प्रसाद गुप्ता के मध्य निष्पादित है तथा जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.) में पंजीकृत किया गया था, जिसका पुस्तक कमांक अ-1. ग्रथ कमांक 2836 पृष्ट 92 से 95 दस्तावेज कमांक 2181 दिनाँक 02/11/1992 है, की मूल प्रति खो गयी है तथा जिसकी सूचना थाना गाँधीनगर अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) में दिनाँक 27/11/2025 को दर्ज करायी गयी है। उपरोक्त वर्णित संव्यवहार के संबंध में किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, सोसायटी, बैंक शासकीय अशासकीय निकाय महाजन अथवा किसी भी पारिवारीक सदस्य या अन्य को किसी भी प्रकार से आपत्ति या उजर दावा हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन तिथि से 07 (सात) दिनो के भितर दिये गये पते में प्रस्तुत करे।

वास्ते

राजीव लोचन तिवारी पताः

एल. आई. जी. 32, इंद्रवती कालोनी

राजा तलाब रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-../ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक परमानंद अग्रवाल आ० स्व० चिरंजीव अग्रवाल निवासी नवापारा अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-1 नवापारा, नगर अम्बिकापुर स्थित प्लाट नम्बर 1/156 रकबा 197.01 वर्गमीटर भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भू-तल पर रकबा 17240 वर्गमीटर प्रथम तल पर रकबा 161.10 वर्गमीटर, द्वितीय तल पर रकबा 161.10 वर्गमीटर पर व्यवसायिक एवं आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 15/12/2025 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांकः 26/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

प्रयास की महिला शाखा ने स्कूली बच्चों में बाटे स्वेटर

चोपन, सोनभद्र। निःशुल्क स्वेटर वितरण कार्यक्रम के द्वितीय चरण में बुद्धवार को ग्रामीण पत्रकार एशोसिएशन उ प्र और प्रयास सामाजिक सेवा समिति की महिला शाखा ने सरस्वती शिशु मन्दिर चोपन के जरुरत मंद बच्चों के बीच स्वेटर का वितरण किया। बालिकाओं को स्वेटर के साथ ही पैजामी भी दी गई। विद्यालय में कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। इस अवसर पर नन्हे मुन्ने बच्चों ने मनोहारी रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सुंदर प्रस्तुतियों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर ग्रामीण पत्रकार एशोसिएशन उ प्र के प्रदेश संगठन मंत्री एवं प्रयास सामाजिक सेवा समिति के अध्यक्ष अजय भाटिया ने संस्था के उद्देश्य एवं सेवा कार्यों पर प्रकाश डाला। महिला शाखा की अमिता भाटिया, नीर बंसल, रेनू अरोरा, पूजा सोनी, मुक्ता अरोरा, तान्या, प्रिया, रेखा, प्रयास के सहयोगी अमर शर्मा आदि ने बच्चों के बीच स्वेटर वितरित किये।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202511020700009

विषयः- ब-121

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सनः-2025-2026

रनपुरकला प.ह.न. 00029 [(हे0)]

पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार- तीरथ राम,

अनावेदक पक्षकार -छ०ग० शासन,

ईश्तहार

आवेदक तीरथ राम आ०स्व० मानसाय व अन्य निवासी ग्राम सपना तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम सपना स्थित कुल खसरा नंबर 24 कुल रकबा 5.391 हे० भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पेश किया गया है। जिस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 28.11.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/11/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार

अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202509020700146

विषयः-ब-121

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सनः- 2024-2025

सुभाषनगर प.ह.न. 00017 [(हे0)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार दुलाल मंडल.

अनावेदक पक्षकार -छ०ग० शासन.

ईश्तहार

आवेदक दुलाल मंडल आ०शरदचन्द्र मंडल निवासी ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग ० के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 150/4, 158/19 रकबा 0.050. 0.070 हे० भूमि के ऋण पुस्तिकम्‍हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 12/12/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16/09/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार

अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र० //अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदिका श्रीमती रागिनी अग्रवाल पिता सुमीत अग्रवाल उम्र लगभग 31 वर्ष निवासी सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा सीट नम्बर-9 मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर, स्थित नूजल प्लाट नम्बर 3467/4866/162 रकबा 2400 वर्गफीट भूमि को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-15/12/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः-26/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

संविधान दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा पत्र, नागरिकों से की अपील

हमारा संविधान मानवीय गरिमा, समानता और स्वतंत्रता को सर्वोच्च महत्व का द्योतक

मतदान लोकतंत्र की नींव, पहली बार मतदान करने वालों का सम्मान करें

कर्तव्यों के निर्वहन को सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार बताया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नागरिकों से अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करने की अपील की और कहा कि ये एक मजबूत लोकतंत्र की नींव है। संविधान दिवस पर नागरिकों को लिखे पत्र में पीएम मोदी ने मतदान के अधिकार का प्रयोग करके लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी भी बताया। उन्होंने सुझाव दिया कि 18 साल की उम्र पूरी कर पहली बार मतदान करने वालों का सम्मान करके संविधान दिवस मनाएं।

पीएम मोदी ने महात्मा गांधी के इस विश्वास को याद किया कि अधिकार कर्तव्यों के निर्वहन से प्राप्त होते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि कर्तव्यों का निर्वहन सामाजिक और आर्थिक प्रगति का भी आधार है। उन्होंने कहा कि आज ली गई नीतियां और निर्णय आने वाली पीढ़ियों के जीवन को आकार देंगे और नागरिकों से अपील की कि वे अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखें, क्योंकि भारत विकसित भारत के विजन की ओर बढ़ रहा है।

लोग कर्तव्यों को सर्वोपरि रखें

नागरिकों से अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करने की अपील की

संविधान दिवस सभा में प्रधानमंत्री सहित कई हस्तियां रहीं शामिल

संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि दी

पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि संविधान दिवस पर हम अपने संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनकी दूरदर्शिता और दूरदर्शिता हमें एक विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करती रहती है। हमारा संविधान मानवीय गरिमा, समानता और स्वतंत्रता को सर्वोच्च महत्व देता है। उन्होंने कहा कि यह हमें अधिकारों से सशक्त तो करता ही है, साथ ही नागरिक के रूप में हमारे कर्तव्यों की भी याद दिलाता है, जिन्हें हमें सदैव निभाने का प्रयास करना चाहिए। ये कर्तव्य एक मजबूत लोकतंत्र की नींव हैं। आइए हम अपने कार्यों के माध्यम से संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराएं। यह हमें अधिकारों से सशक्त बनाता है। ये हमें नागरिक के रूप में हमारे कर्तव्यों की भी याद दिलाता है, जिन्हें हमें सदैव निभाने का प्रयास करना चाहिए। ये कर्तव्य एक मजबूत लोकतंत्र की नींव हैं।

इन्होंने कहा

भारत हमेशा एक रहेगाः राधाकृष्णन

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि महान विद्वानों, ड्राफ्टिंग कमिटी और संविधान सभा के सदस्यों ने करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने गहरी सोच दी। भारत एक है और हमेशा एक रहेगा।

..तो विकसित देश बनेगाः बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि अगर संविधान का अक्षरशः पालन किया जाए तो भारत 2047 तक एक विकसित देश बन जाएगा। यह हमारा सामूहिक लक्ष्य है।

यादव ने निर्माताओं को श्रद्धांजलि दी

भारत के 76वें संविधान दिवस के मौके पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने भारतीय संविधान के निर्माताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन सभी महान व्यक्तियों को करोड़ों सलाम जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को मजबूत और जीवंत बनाने में योगदान दिया।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा

कानून का शासन बनाए रखने में बार की भूमिका अहम

बार एसोसिएशन सभा में सीजेआई

संविधान दिवस के मौके पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जब हम इस अहम पल का जश्न मना रहे हैं, जब भारत ने अपने आप को अपना बुनियादी अनुबंध दिया था, मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि देश में कानून का शासन और संविधान की पवित्रता बनाए रखने में बार की भूमिका बेहद जरूरी है। सीजेआई ने ये भी कहा कि देश में कमजोर और हाशिए पर पड़े लोगों के लिए कानूनी सहायता देने में भी बार की अहम भूमिका है।

केवल संविधान सर्वोच्चः तुषार मेहता

इस मौके पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुसार यह संविधान की खूबसूरती है कि इसके तीनों हिस्से, न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका, एक-दूसरे से आजाद हैं। केवल संविदान सर्वोच्च है।

पूर्व चीफ जस्टिस गवई ने इंटरव्यू में बेबाकी से बात की

न्यायिक सक्रियता न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलनी चाहिए

न्यायिक सक्रियता से बुलडोजर दहशत और सियासी दबाव पर भी दिए जवाब

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सेवानिवृत्ति न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने बुधवार को एक इंटरव्यू में कई अहम सवालों पर बेबाकी से बात की। उन्होंने कहा, न्यायिक सक्रियता न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलनी चाहिए। अंततः हमारा संविधान विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों के संतुलन और अलग-अलग कार्यक्षेत्र पर यकीन रखता है।

संविधान में शक्ति संतुलित

न्यायिक सक्रियता से डर फैलना गलत

जस्टिस गवई ने इंटरव्यू में कई अहम सवालों पर बेबाकी से बात की। उन्होंने कहा कि न्यायिक सक्रियता न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलनी चाहिए। देश के नागरिकों को देश की न्यायिक प्रक्रिया और सक्रियता से डर नहीं फैलना चाहिए। यह गलत है।

कभी भी एग्जीक्यूटिव या पॉलिटिकल नेताओं का

सीजेआई गवई ने कहा कि उन पर कभी भी एग्जीक्यूटिव या पॉलिटिकल नेताओं का दबाव नहीं पड़ा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जजों की नियुक्ति का कॉलेजियम सिस्टम ट्रांसपेरेंट है, और यह आरोप कि यह ओपेक है, सही नहीं हैं।

नागरिकों को आर्थिक और सामाजिक न्याय मिले

न्यायिक एक्टिविज्म पर पूर्व चीफ जस्टिस ने ये भी साफ किया कि कई मौकों पर, नागरिक अपनी सामाजिक-आर्थिक बाधाओं के कारण, अपनी शिकायतों के निवारण और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सीधे अदालत का दरवाजा खटखटाने की स्थिति में नहीं होते। ऐसी स्थिति में, अगर किसी व्यक्ति को न्यायपालिका अदालत का दरवाजा खटखटाने की अनुमति देती है तो ये गलत नहीं है।

जूता फेंकने की घटना पर कहा

संस्कारों का असर, कार्रवाई की जरूरत नहीं समझी

जस्टिस गवई ने जूता फेंकने की घटना पर कहा कि उस समय उन्होंने आरोपित वकील के खिलाफ कोई कार्रवाई न करने का फैसला अपनी परवरिश और मूल्यों के चलते लिया। गवई ने कहा कि शायद यह मेरे संस्कारों का असर है। जब कोर्ट में यह घटना हुई, तब मुझे यह भी नहीं पता था कि इसका संबंध मेरे कोर्ट में दिए गए किसी कथित बयान या टिप्पणी से बताया जा रहा है। लेकिन मुझे लगा कि मामले की सुनवाई आगे बढ़ाना चाहिए।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रितेश कुमार गुप्ता आ० राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, उम्र 46 वर्ष, निवासी देवीगंज रोड, सत्तीपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक एवं अनावेदक राजेश कुमार गुप्ता आ० राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, उम्र-53 वर्ष, निवासी देवीगंज रोड़, सत्तीपारा अम्बिकापुर के संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की शीट नं. 02, मोहल्ला सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 473/6 कुल रकबा 1200 वर्गफीट में से 600 वर्गफीट भूमि का पंजीबद्ध हक त्याग पत्र दिनांक 19/07/2024 का निष्पादन आवेदक के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध हकत्याग पत्र के आधार पर उक्त नजूल भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदक द्वारा पंजीबद्ध हकत्याग पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-15/12/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः-26/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० /अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण उपेन्द्र गुप्ता आ० लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता, उम्र 54 वर्ष, उमेश कुमार गुप्ता आ० विरेन्द्र प्रसाद गुप्ता, उम्र 40 वर्ष, निवासी एम०जी० रोड, रावत रेसीडेन्सी, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण द्वारा अशोक पाण्डेय आ० रामवृक्ष पाण्डेय, उम्र-63 वर्ष, निवासी गांधीनगर अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 02. मोहल्ला सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 671/17 रकबा 0.15 एकड (6534 वर्गफीट) भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 13/10/2025 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रस पत्र के आधार पर उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदकगण द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 15/12 / 2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26/11/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार भैयायान मामले की श्रेणीः राजस्व संदर्भः- जिला- सूरजपुर तहसील-भैयाथान प.ह.न.- 00014 रगदा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- टऊ20252664031400000 6

ईश्तहार

तहसील भैयाथान के प.ह.न. 00014 के अंतर्गत ग्राम रगदा के वर्तमान भूमिस्वामी सुकालू आ.डोडवा लालो आ.डोडवा पिता/पति- पता-सा. देह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 1668 (0.1600), 1684 (0.2600) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता सुकालू आ.डोडवा लालो आ. डोडवा पिता/पति पता-सा. देह, मोहन पिता/पति- लालो पलता-सा. देह के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 02/12/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार भैयाथान पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 10/11/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार

भैयायान

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सलिल गुप्ता पिता श्री कमलेश गुप्ता, उम्र 35 वर्ष जात्ति-हलवाई, निवासी ब्रम्हरोड ब्रम्ह मंदिर के पास, वार्ड नं 33 बाबूपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत्त किया गया है. कि अनावेदिका श्रीमती संध्या गुप्ता पति श्री कमलेश गुप्ता, उम्र-64 वर्ष, जाति हलवाई, निवासी ब्रम्हरोड़ ब्रम्ह मंदिर के पास, वार्ड नं. 33 बाबूपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा स्वयं के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 09, मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 3467/4866/33 रकबा 195.20 वर्गमीटर भूमि का पंजीबद्ध दान पत्र दिनांक 04.09.2025 का निष्पादन आवेदक के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध दान पत्र के आधार पर उक्त दानशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदक द्वारा पंजीबद्ध दान पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्थ संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-15/12 / 2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26/11/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०- अ-6/2025-26

श्री कमलेश गुप्ता, उम्र 35 वर्ष जाति-हलवाई, निवासी ब्रम्हरोड़ ब्रम्हमंदिर के पास, वार्ड नं. 33 एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सलिल गुप्ता पिता बाबूपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है. कि आवेदक द्वारा अनावेदिका श्रीमती श्वेता गुप्ता पति गुंजन गुप्ता, उम्र 45 वर्ष, जाति हलवाई निवासी शीतला वार्ड ब्रम्ह मंदिर के पास, वार्ड नं. 33 बाबूपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के स्वामित्व व अधिपत्य की शीट नं. 09, मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट न 3467/4866/33 रकबा 195.20 वर्गमीटर भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 04.09.2025 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रस पत्र के आधार पर उक्त क्रयशुदा भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदक द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 15/12 / 2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 26/11/2025 को मेरे न्यायलयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०//अ-20 (3)/2025-26

इश्तेहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक वीरेन्द्र कुमार कुशवाहा पिता स्व० नागेश्वर प्रसाद, श्रीमती चन्द्रावती देवी पिता स्व० नागेश्वर प्रसाद पति अवधेश सिंह, श्रीमती विमला कुशवाहा पिता स्व० नागेश्वर प्रसाद पति भरत लाल कुशवाहा सभी निवासी अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने अपने संयुक्त स्वामित्य की मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-9 स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 3531/23 कुल रकबा 0.07,1/2 एकड़ में से रकबा अपने-अपने अंश व हिस्से की भूमि अपने सगे भाई अनावेदक राजेन्द्र प्रसाद सत्येन्द्र कुमार पिता स्व० नागेश्वर प्रसाद निवासी अम्बिकापुर के पक्ष में हक त्याग करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु मेन्टनेन्स खसरा, दस्तावेज सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-15/12/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक-26/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र० //अ-20 (3)/2025-26

ईश्तेहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक राजेन्द्र प्रसाद पिता स्व० नागेश्वर प्रसाद, सत्येन्द्र कुमार पिता स्व० नागेश्वर प्रसाद, श्रीमती चन्द्रावती देवी पिता स्व० नागेश्वर प्रसाद पति अवधेश सिंह, श्रीमती विमला कुशवाहा पित स्व० नागेश्वर प्रसाद पति भरत लाल कुशवाहा सभी निवासी अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने अपने संयुक्त स्वामित्व की मोहल्ला बाबूपारा नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-9 स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 3470/2 कुल रकबा 0.06 एकड़ में से रकबा अपने-अपने अंश व हिस्से की भूमि अपने सगे भाई अनावेदक वीरेन्द्र कुमार कुशवाहा पिता स्व० नागेश्वर प्रसाद निवासी बाबूपारा अम्बिकापुर के पक्ष में हक त्याग करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु मेन्टनेन्स खसरा, दस्तावेज सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-15/12/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांकः-26/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० ..../अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश कुमार गुप्ता आ० राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, उम्र-53 वर्ष, निवासी देवीगंज रोड़, सत्तीपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक एवं अनावेदक रितेश कुमार गुप्ता आ० राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, उम्र-46 वर्ष, निवासी देवीगंज रोड़, सत्तीपारा अम्बिकापुर के संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की शीट नं. 02, मोहल्ला सत्तीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 790/6 कुल रकबा 203 वर्गमीटर में से 101.5 वर्गमीटर (1090 वर्गफीट) भूमि का पंजीबद्ध हक त्याग पत्र दिनांक 07/08/2024 का निष्पादन आवेदक के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध हकत्याग पत्र के आधार पर उक्त नजूल भूमि के नजूल अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदक द्वारा पंजीबद्ध हकत्याग पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या सस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 15/12 / 2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26/11/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी

अम्बिकापुर

एक और बहादुर हमें छोड़कर चले गए : अमिताभ बच्चन

मुंबई। बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार धर्मेंद्र का 24 नवंबर को 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके साथी कलाकार और सदी के महानायक कहे जाने वाले अमिताभ बच्चन ने उनके निधन पर भावुक पोस्ट की है और दुख जताया है। अमिताभ बच्चन ने एक्स पर एक पोस्ट में धर्मेंद्र के बारे में लिखा 'एक और बहादुर हमें छोड़कर चले गए। अपने पीछे वह एक सन्नाटा छोड़ गए। धरम जी। वह अपने आप में मिसाल थे। वह न सिर्फ अपनी शारीरिक मौजूदगी के लिए, बल्कि अपने बड़े दिल और बेहतरीन सादगी के लिए जाने जाते थे। वह अपने साथ पंजाब के उस गांव की मिट्टी की खुशबू लाए थे, जहां से वह आए थे। वह उस मिट्टी के मिजाज के प्रति सच्चे रहे।

लाइफ Style

अदिति

यूं शुरू हुआ था सच्चे प्यार का नया सफर

बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की दुनिया में अपनी एक्टिंग का परचम लहरा चुकीं अदिति राव हैदरी का जन्म राजघराने में हुआ था। अदिति राव हैदरी और सिद्धार्थ की कहानी तो जैसे किस्मत से बनी हुई लगती है। एक्ट्रेस की लव स्टोरी फरवरी 2021 में तेलुगु फिल्म 'महा समुद्रम'के सेट पर शुरू हुई थी।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जब वह अपने हसबैंड सिद्धार्थ के साथ एक्शन-ड्रामा फिल्म में नजर आई थीं। अदिति ने साउथ में भी अपने काम से लोगों का दिल जीता है। उनके फैंस की संख्या बहुत ज्यादा है। बहुत कम लोग जानते हैं कि अदिति की पहली शादी सत्यदीप मिश्रा से हुई थी। महज 21 साल की उम्र में उन्होंने पहली शादी की थी। लेकिन, ये रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चला और दोनों अलग हो गए। अदिति ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब तलाक हुआ, तो उनका दिल टूट गया था, लेकिन तलाक के बावजूद अदिति और सत्यदीप एक-दूसरे के दोस्त बने रहें। पहली शादी टूटने के बाद अदिति राव हैदरी की मुलाकात साल 2021 में फिल्म महा समुद्रम के दौरान सिद्धार्थ से हुई। फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों अक्सर सेट पर साथ समय गुजारते थे। इसी बीच दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने लगीं। इसके बाद दोनों ने डेटिंग शुरू कर दी। दोनों ने जब एक दूसरे को अच्छे से जान लिया। तब मार्च 2024 में अपनी सगाई की खबर को फैंस के साथ शेयर किया। 16 सितंबर साल 2024 को दोनों शादी के बंधन में बंध गए। बात अगर अदिति के एक्टिंग कॅरियर की करें तो अब तक वह रॉकस्टार, मर्डर 3, वजीर, पद्मावत, कातरू वेलियिदाई, सूफीयम सुजातायम, महा समुद्रम जैसी फिल्मों में दमदार रोल में नजर आ चुकी हैं।

हॉलीवुड मसाला

नए हैरी पॉटर को लिखा लेटर

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की दुनिया में एक बार फिर से 'हैरी पॉटर' का जादू लौटने की तैयारियां जोरों पर हैं। जैसे-जैसे नई सीरीज की शूटिंग आगे बढ़ रही है, फैंस का उत्साह भी बढ़ता जा रहा है। इस बार कहानी का केंद्र सिर्फ नए कलाकार ही नहीं हैं, बल्कि वो भावनाएं भी हैं जो मूल हैरी पॉटर रहे डेनियल रेडक्लिफ ने अपने छोटे उत्तराधिकारी के लिए जताई हैं। डेनियल ने हाल ही में बताया कि उन्होंने नए हैरी पॉटर बने डोमिनिक मैकलॉफलिन को खुद पत्र लिखकर शुभकामनाएं भेजी हैं।

'द हार्डर दे कम' में एक्टिंग ने दिलाई पहचान...

लॉस एंजिल्स। जिमी क्लिफ एक शानदार रेगे गायक और अभिनेता थे। उन्होंने 81 वर्ष की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके जाने से मनोरंजन जगत में शोक की लहर छा गई है। जिमी क्लिफ को मशहूर फिल्म 'द हार्डर दे कम'में एक्टिंग के लिए भी पहचाना जाता था। जिमी क्लिफ जमैका के रहने वाले थे। बचपन से ही उनका संगीत के प्रति गहरा लगाव थे। वे अपनी किशोरावस्था में ही किंग्स्टन के उभरते संगीत जगत में शामिल हो गए और 1960 के दशक में एक ऐसे आंदोलन का नेतृत्व किया जिसमें बॉब मार्ले, टूट्स हिबर्ट और पीटर तोश जैसे भावी सितारे शामिल थे। 1970 के दशक के शुरुआती वर्षों में, उन्होंने निर्देशक पेरी हेनजेल की एक महत्वाकांक्षी फिल्म में अभिनय के प्रस्ताव को स्वीकार किया। इसमें उन्होंने रेगे संगीतकार, इवानहो इवान मार्टिन का किरदार निभाया, जो अपने कॅरियर में गिरावट आने पर अपराध की दुनिया में चला जाता है।

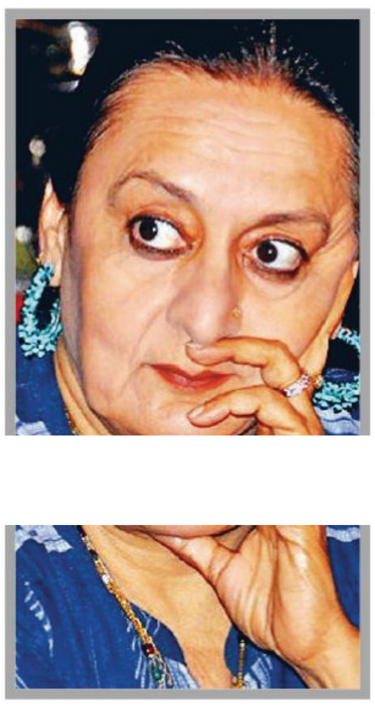

कैलोरी की शूटिंग के दौरान थीं नर्वस

मुंबई। अभिनेत्री डॉली अहलूवालिया अपनी अपकमिंग फिल्म 'कैलोरी' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इससे पहले इस फिल्म की इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) में स्क्रीनिंग हुई है। नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस डॉली अहलूवालिया ने कहा कि यह रोल बहुत इमोशनल था और उन्होंने माना कि शूटिंग के दौरान वह नर्वस थीं। एएनआई से बात करते हुए अहलूवालिया ने बताया कि 'कैलोरी' टाइटल दिखाता है कि लोग अपने अतीत के दर्द और यादों के साथ कैसे जीते हैं। इस बारे में उन्होंने कहा, 'मेरे लिए कैलोरी का मतलब अनुभव और भावनाएं हैं और आप खाने के बजाय उन भावनाओं को कैसे पचाते हैं।' एक्ट्रेस ने बताया कि फिल्म को लेकर उन्हें खुद पर भरोसा नहीं था।

धर्मेंद्र की सादगी से सदाबहार बने ये गाने...

मुंबई। धर्मेंद्र के गाने सिर्फ सुने नहीं गए, उन्हें महसूस किया गया, जिया गया और उन पर थिरका गया, जिन्हें कई पीढ़ियां सदियों तक याद रखेंगी। यह कहानी उन्हीं सुरों की महक की है, जो आज भी 'पल पल दिल के पास' धड़कती है, जिन सुरों ने थिरकना सिखाया और दोस्ती की नई परिभाषा बनाई। मैं जट यमला पगला दीवाना, फिल्म- प्रतिज्ञा (1975), ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे, फिल्म- शोले (1975), पल पल दिल के पास, फिल्म- ब्लैकमेल (1973), कोई हसीना जब रूठ जाती है, फिल्म- शोले (1975), किसी शायर की गजल, फिल्म- ड्रीम गर्ल(1977), मैं तेरे इश्क में मर न जाऊं कहीं, फिल्म- लोफर (1973), अब के सजना सावन में, फिल्म- चुपके चुपके (1975), झिलमिल सितारों का आंगन होगा, फिल्म- जीवन मृत्यु (1970), आज मौसम बड़ा बेईमान है बड़ा-लोफर (1973)।

टीवी मसाला

मृदुल और बसीर से नहीं हो सकती शहबाज की तुलना

नई दिल्ली। सलमान खान के रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' से कुनिका सदानंद एविक्ट हो गई हैं। 'बिग बॉस 19' से बाहर आने के बाद कुनिका ने मीडिया से बात की। कुनिका ने कहा कि उनके हिसाब से शहबाज बदेशा का मृदुल तिवारी और बसीर अली से ज्यादा कंट्रीब्यूशन रहा है। उन्होंने कहा, 'बसीर ने अपना 100% दिया, लेकिन एक टाइम के बाद उनका गेम खत्म हो गया था क्योंकि वह और नेहल चुडासमा करीब आ गए थे। बसीर खुश थे, लेकिन उसके बाद वो गेम में एक्टिव नहीं रहे थे।'कुनिका ने इंटरव्यू में आगे कहा, 'रहा सवाल मृदुल का तो गौरव ने उन्हें ओवरशैडो कर दिया। ऐसा हो गया था कि वो हर चीज गौरव से पूछकर करता था। वो गौरव से पूछे बिना हिलता तक नहीं था। तो आप शहबाज के कंट्रीब्यूशन को बसीर और मृदुल के कंट्रीब्यूशन से कंपेयर नहीं कर सकते हैं। शहबाज जब घर में आया वह हंसी, मजाक और बहुत सारी नई-नई चीजें लेकर आया।'कुनिका ने ये भी कहा कि शहबाज के ऊपर प्रेशर है क्योंकि शहनाज गिल भी बिग बॉस से बनी हैं। कुनिका बोलीं, 'मैं शहबाज को फिल्मों में देखना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि मैं उसे कॉमेडी रोल्स में देखूं।'जब कुनिका से पूछा गया कि उनके हिसाब से 'बिग बॉस 19' का विनर कौन है? तब उन्होंने फरहाना भट्ट का नाम लिया। उन्होंने साफ कहा कि उन्हें भी लगता है कि गौरव एक्टिंग कर रहे हैं। कुनिका सदानंद ने इंटरव्यू में कहा, 'गौरव पीछे से खेलते हैं। इमोशनल मैनिपुलेशन भी करते हैं। मृदुल के साथ भी किया था।

एक वरदान के रूप में देखती हूं

नई दिल्ली। शुभांगी अत्रे ने भाभी जी घर पर हैं में अंगूरी भाभी के किरदार से दर्शकों का दिल खूब जीता है। कुछ दिनों से खबरें आ रही थीं कि शुभांगी को शो से पुरानी अंगूरी भाभी यानी शिल्पा शिंदे रिप्लेस करने वाली हैं। अब शुभांगी ने इस खबर को कन्फर्म कर किया है। 10 साल के बाद शुभांगी अब इस शो को छोड़कर जा रही हैं। शुभांगी का कहना है कि वह इसे एक आशीर्वाद की तरह ले रही हैं। शुभांगी ने कहा, 'मैंने हमेशा मिसेस कोहली को वादा किया था कि मेरी जर्नी शो में आन, बान और शान के साथ शुरू होगी और वैसे ही उसका एंड होगा। मैं इससे बेहतर एग्जिट के बारे में नहीं सोच सकती। रिप्लेसमेंट के पीछे की कोई वजह नहीं है। मैं इसे एक वरदान के रूप में देखती हूं, क्योंकि एक कलाकार के रूप में मैं नए किरदारों को निभाना चाहती हूं। आइडिया यह है कि यहां से बाहर जाऊं और बाकी काम पर फोकस करूं। लाइफ में इतना कुछ देखने के बाद मैं फाइटर मोड में आ गई हूं और अब सिर्फ अपनी बेटी और अपने काम पर फोकस कर रही हूं।'

भारी-भरकम कास्ट होने के बावजूद दर्शकों को नहीं रिझा सकीं ये फिल्में

मुंबई। बॉलीवुड की कई ऐसी फिल्में हैं जिनमें कई बड़े कलाकारों ने अभिनय किया है। कई फिल्मों में अच्छे विजुअल, अच्छे म्यूजिक और अच्छी कहानी रही। हालांकि ये फिल्में उम्मीद के मुताबिक दर्शकों को अपनी तरफ खींचने में नाकाम रहीं। बॉक्स ऑफिस पर इन फिल्मों की कमाई उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। आलोचकों से भी इन फिल्मों को सराहना नहीं मिली।

सर्कस : साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म 'सर्कस' में रणवीर सिंह, वरुण शर्मा, पूजा हेगड़े और जैकलीन फर्नांडिस जैसे कलाकार थे। उम्मीद की जा रही थी कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करेगी। हालांकि कमजोर कहानी की वजह से इसे बहुत कम दर्शक मिले और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई।

कलंक : फिल्म 'कलंक' (2019) में माधुरी दीक्षित, संजय दत्त, आलिया भट्ट, वरुण धवन, सोनाक्षी सिन्हा और आदित्य रॉय कपूर ने अभिनय किया था। इसके बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई नहीं कर सकी थी। आलोचकों ने कलाकारों के हिसाब से इसकी कहानी को कमजोर बताया था। हालांकि इसके विजुअल अच्छे थे।

ठग्स ऑफ हिंदोस्तान : साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'ठग्स ऑफ हिंदोस्तान' में आमिर खान और अमिताभ बच्चन पहली बार साथ में नजर आए थे। इसमें कटरीना कैफ और फातिमा सना शेख भी थीं। इसकी रिलीज से पहले इसकी काफी चर्चा थी। हालांकि यह फिल्म रिलीज के बाद कुछ खास नहीं कर सकी। बॉक्स ऑफिस पर इसने लगभग बजट भर की ही कमाई की थी।

हैप्पी न्यू ईयर : 'हैप्पी न्यू ईयर' (2014) में शहरुख खान, दीपिका पादुकोण और अभिषेक बच्चन जैसे कलाकार थे। फिल्म में ग्लैमर का तड़का था और इसका म्यूजिक भी अच्छा था। हालांकि फिल्म की कहानी इतनी कमजोर थी कि इसे दर्शकों ने नकार दिया। बड़े कलाकारों के होने के बावजूद यह फिल्म आलोचकों को प्रभावित नहीं कर सकी थी।

जानी दुश्मन: एक अनोखी कहानी : साल 2002 में रिलीज हुई फिल्म 'जानी दुश्मनः एक अनोखी कहानी' में बॉलीवुड के कई बड़े कलाकार थे। इसमें सनी देओल, अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और मनीषा कोइराला जैसे कलाकार थे। माना जा रहा था कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देगी। हालांकि ऐसा हुआ नहीं। फिल्म दर्शकों को प्रभावित नहीं कर सकी। फिल्म ने सिर्फ अपना बजट निकाला।

53वें अंतरराष्ट्रीय एमी अवाड्र्स 2025

यूके ने सात श्रेणियों में सबसे अधिक पुरस्कार किए अपने नाम

लॉस एंजिल्स। इम्तियाज अली की फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' को लेकर 53वें अंतरराष्ट्रीय एमी अवॉड्र्स में अब तक जो उम्मीदें थीं वो अब टूट गई हैं। सोमवार 24 नवंबर की देर रात न्यूयॉर्क सिटी में इंटरनेशनल एमी अवॉड्र्स का आयोजन हुआ जिसमें दिलजीत दोसांझ की अमर सिंह चमकीला को नॉमिनेशन मिला था। 53वें अंतर्राष्ट्रीय एमी अवाड्र्स 2025 के विजेतोषणा कर दी गई है, जिसमें यूनाइटेड किंगडम (यूके) ने सात श्रेणियों में सबसे अधिक पुरस्कार अपने नाम किए हैं। आईटीवी स्टूडियोज की 1980 के दशक पर आधारित ड्रामा-कॉमेडी 'रिवॉल्ट्स'ने सर्वश्रेष्ठ ड्रामा का पुरस्कार जीता। इस ब्रिटिश कॉमेडी ड्रामा में डेविड टेनेंट, एडेन टर्नर, कैथरीन पार्किसन, विक्टोरिया स्मर्फिट, एलेक्स हैसेल, नफेसा विलियम्स, बेला मैक्लीन, एमिली एटैक और डैनी डायर जैसे कलाकार शामिल हैं। यह सीरीज जिली कूपर की किताबों पर आधारित है। वहीं, लुडविग को सर्वश्रेष्ठ कॉमेडी का पुरस्कार मिला,

रिवॉल्ट्स ने जीता सर्वश्रेष्ठ ड्रामा का पुरस्कार

जिसमें डेविड मिशेल ने अभिनय किया है। इस सीरीज में एक पहेली मास्टर (मिशेल) अपने लापता भाई, जो एक पुलिस जासूस है, का भेष बदलकर उसके लापता होने के मामले की जांच करता है। अन्ना मैक्सवेल मार्टिन भी लुडविग का हिस्सा हैं। इसके अतिरिक्त, यूके ने फॉलन के लिए सर्वश्रेष्ठ किड्स लाइव-एक्शन शो, लॉस्ट बॉयज एंड फेयरीज के लिए सर्वश्रेष्ठ टीवी मूवी/मिनी सीरीज, हेल जम्पर के लिए सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री, और 'डिस्पैचः किल जोनः इनसाइड के लिए करंट अफेयर्स श्रेणियों में भी ट्रॉफियां जीतीं। इसके अलावा, यूके ने अंटिल आई किल यू में अपने प्रदर्शन के लिए अन्ना मैक्सवेल मार्टिन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से भी नवाजा गया।

शोले में उनकी वीरू की भूमिका आज भी दर्शकों को भुलाए नहीं भूलती

इन फिल्मों में निभाई दमदार भूमिका, हर किरदार में जीता दिल

मुंबई। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता और हीमैन धर्मेंद्र ने 89 वर्ष की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके जाने से एक युग का अंत हो गया। धर्मेंद्र ने अपने फिल्मी सफर में तरह-तरह के किरदार निभाए थे। वह एक ओर प्रेमी युवक के रूप में याद किए जाते थे, तो दूसरी ओर जांबाज हीरो के रूप में भी। फिल्म 'शोले'में उनकी वीरू की भूमिका आज भी दर्शकों को भुलाए नहीं भूलती।

शोले *: धर्मेंद्र के करियर की सबसे चर्चित भूमिका की बात की जाए, तो वह 'शोले'में उनकी वीरू की भूमिका है। अमिताभ बच्चन के साथ उनकी जोड़ी ने दोस्ती की मिसाल पेश की थी। इस फिल्म में धर्मेंद्र ने अपने किरदार को जीवंत कर दिया था।*

सत्यकाम *: धर्मेन्द्र ने फिल्म 'सत्यकाम'में सत्यप्रिय आचार्य की भूमिका निभाई थी, जो एक सिद्धांतवादी व्यक्ति थे। धर्मेंद्र द्वारा निभाया गया यह किरदार भारतीय सिनेमा के सबसे बेहतरीन किरदारों में से एक माना जाता है।*

चुपके-चुपके *: ऋषिकेश मुखर्जी के निर्देशन में साल 1975 में बनी फिल्म 'चुपके-चुपके'में धर्मेंद्र ने प्रोफेसर परिमल त्रिपाठी और प्यारे मोहन इलाहाबादी की भूमिका निभाई थी। फिल्म में धर्मेंद्र की बेमिसाल कॉमिक टाइमिंग ने दर्शकों को प्रभावित किया थे। यह एक क्लासिक कॉमेडी फिल्म थी।*

अनुपमा : ऋषिकेश मुखर्जी की ड्रामा फिल्म 'अनुपमा' इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा सराही गई फिल्मों में से एक थी। यह कहानी एक जिद्दी युवक की है। इस फिल्म में धर्मेंद्र ने अशोक की भूमिका निभाई थी, जिसे उमा से प्यार हो जाता है। उमा के माता पिता अशोक को नहीं पसंद करते हैं। इससे पहले उमा कुछ गलत कदम उठाती उसके माता पिता अशोक से शादी के लिए मान जाते हैं। फिल्म में अभिनेता ने दमदार भूमिका निभाई थी।

जॉनी गद्दार: निर्देशक श्रीराम राघवन की फिल्म 'जॉनी गद्दार' में धर्मेंद्र ने गैंग लीडर शेषाद्रि 'सेशु' की भूमिका निभाई थी। इस फिल्म में धर्मेंद्र और नील नितिन मुकेश के अलावा रिमी सेन, विनय पाठक और जाकिर हुसैन की मुख्य भूमिकाएं थी।

फूल और पत्थर : फिल्म 'फूल और पत्थर'में धर्मेंद्र ने एक युवा अपराधी की भूमिका निभाई थी, जिनका नाम शक्ति सिंह 'शाका'था। फिल्म में शाका एक विधवा महिला के खातिर अपनी सारी बुरी आदतें छोड़ देता है और सुधर जाता है। इस फिल्म ने कई सामाजिक मान्यताओं को चुनौती दी और दर्शकों को शिक्षित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

यादों की बारात *: फिल्म 'यादों की बारात' में धर्मेंद्र ने शंकर की भूमिका निभाई थी। यह पहली मसाला फिल्म थी, जिसमें एक्शन, नाट्य, रोमांस, संगीत, अपराध और थ्रिलर शैलियों का समावेश था। इस फिल्म का निर्देशन नासिर हुसैन ने किया था, जो 1973 में रिलीज हुई थी।*

धरम वीर *: मनमोहन देसाई के निर्देशन में साल 1977 में फिल्म 'धरम वीर' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में धर्मेंद्र ने धरम का किरदार निभाया था। फिल्म में धर्मेंद्र और जितेन्द्र की जोड़ी को दर्शकों को खूब पसंद किया था।*

लोफर *: 'लोफर'में धर्मेंद्र ने एक स्टाइलिश और करिश्माई हीरो का रोल निभाया था, जो अपराध की दुनिया में फंसा हुआ है, लेकिन दिल से नेक है। अभिनेता ने रंजीत का किरदार निभाया था। फिल्म में धर्मेंद्र की भूमिका की काफी सरहाना की गई थी।*

पुलिस के नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी का जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने फीटा काटकर किया शुभारंभ

कोतवाली परिसर में लगी 5 दिवसीय जागरूकता प्रदर्शनी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। बदलते समय के साथ न्यायिक प्रणाली में तेजी लाने और जनता को नए आपराधिक कानूनों की जानकारी देने के उद्देश्य से सूरजपुर पुलिस द्वारा यहां सिटी कोतवाली परिसर में जागरूकता प्रदर्शनी का गुरूवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती विनीता वार्नर के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इस प्रदर्शनी को लेकर एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने आमजनता को आसानी से नए कानूनों की जानकारी दिखाकर और समझाने के लिए की बेहतर प्रबंधन किया है।

नए कानूनों की इस प्रदर्शनी में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आनंद प्रकाश वारियाल, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश मानवेन्द्र सिंह, द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुमित कुमार हर्षमाना, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कु. पायल टोपनो, कलेक्टर एस.जयवर्धन ने तीन नवीन कानूनों बीएनएस, बीएनएनएस, बीएसए की प्रर्दशनी का सूक्ष्मता से अवलोकन किया।पुलिस वहअब पीड़िता या शिकायतकर्ता को उनकी शिकायत की प्रगति की जानकारी देना अनिवार्य है। इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से की गई शिकायतों पर तीन दिवस के भीतर एफआईआर दर्ज करना आवश्यक है। महिला अपराधों में 60 दिनों और अन्य मामलों में 90 दिनों के भीतर जांच पूरी कर चालान अदालत में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। गंभीर अपराधों में फोरेंसिक जांच अनिवार्य की गई है तथा तलाशी, जप्ती प्रक्रिया का ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग आवश्यक है। बलात्कार मामलों में सात दिनों के भीतर मेडिकल रिपोर्ट देना भी अनिवार्य किया गया है। एसएसपी ने बताया कि नए आपराधिक कानूनों के बारे में आम जनता को जागरूक करने के लिए प्रदर्शनियाँ लगाई हैं। इन प्रदर्शनियों का उद्देश्य नए कानूनों के प्रावधानों को समझाना, न्यायिक प्रणाली में होने वाले बदलावों पर प्रकाश डालना और पुलिस और जनता के बीच संवाद को मजबूत करना है। यह 5 दिवसीय प्रदर्शनी है जिसका समापन 30 नवम्बर को होगा। प्रदर्शनियों में नुक्कड़ नाटक और कार्यशालाओं के माध्यम से जानकारी दी जायेगी। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, एसडीओपी अभिषेक पैंकरा, थाना प्रभारी अजाक मनी प्रसाद राजवाड़े, यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय, साइबर सेल प्रभारी राकेश यादव सहित अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव एवं मंत्रियों ने किया अवलोकन

पुलिस के नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी का गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, कृषि मंत्री रामसेवक पैंकरा,भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, विधायक प्रेमनगर भूलन सिंह मरावी ने अवलोकन किया और नवीन कानूनों, महिला और बाल संरक्षण, शून्य एफआईआर, ई-एफआईआर और प्रौद्योगिकी के उपयोग जैसे महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में आकर्षक डिस्पले के माध्यम से जानकारी देने पर पुलिस की प्रशंसा की। नवीन आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी में मंत्री सहित अन्य अतिथियों को डीआईजी व एसएसपी ने न्याय प्रणाली में नवीन तकनीकी का समावेश, जनहितकारी एवं पारदर्शी न्याय व्यवस्था, त्वरित न्याय की अवधारणा, नवीन तकनीक सुधारों, विभिन्न पोर्टल, बच्चों की सुरक्षा, ऑनलाईन चाईल्ड सेफ्टी मॉडयूल, सशक्त, अभिव्यक्ति, त्रिनयन, समाधान के बारे में जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि नवीन आपराधिक कानून न्याय प्रणाली को तेज, सरल और जनहितकारी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नए कानून दंड से न्याय की ओर की अवधारणा को मजबूत करते हैं और न्यायिक प्रक्रिया में मील का पत्थर साबित होंगे। कृषि मंत्री श्री पैंकरा ने कहा कि नए प्रावधान महिलाओं और बच्चों को अधिक सुरक्षा प्रदान करते हैं। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने कहा कि नए कानून मजबूत पुलिसिंग के लिए जरूरी है, नए कानून में हुए बदलाव न्यायिक प्रक्रिया में सकारात्मक प्रभाव दिखा रहे हैं। प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि यह पहल सराहनीय है, इन प्रदर्शनियों के माध्यम से, पुलिस जनता को नए कानूनों के प्रति जागरूक करने और यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि न्याय प्रणाली अधिक कुशल और पारदर्शी बने।एसएसपी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में छात्रों, कानूनी पेशेवरों, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों एवं आमजनता को नए कानूनों के बारे में जानकारी दी जायेगी। इस पहल से पुलिस और जनता के बीच तालमेल और विश्वास को और बढ़ाया जायेगा।

इस अवसर पर कलेक्टर एस. जयवर्धन, भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, प्रदेश कार्य समिति सदस्य भीमसेन अग्रवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष बाबुलाल अग्रवाल, मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर प्रसाद राजवाड़े, जनपद अध्यक्ष श्रीमती स्वाती संत सिंह, नपा उपाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल, शशिकांत गर्ग, दीपक गुप्ता, संजू सोनी, अजय अग्रवाल, अरविन्द मिश्रा, लक्ष्मण कसेरा सहित अन्य गणमान्य नागरिकगण मौजूद रहे।

एसआईआर शत प्रतिशत फॉर्म कलेक्शन-डिजिटाइजेशन पर 27 बीएलओ सम्मानित

कलेक्टर बोले- दुसरो के लिए प्रेरणादायी है आपकी उपलब्धि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य तेजी से जारी है। बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र वितरण के साथ डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा किया जा रहा है। इसी क्रम में एसआईआर के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करते हुए शत प्रतिशत गणना प्रपत्र के डिजिटाइजेशन का लक्ष्य प्राप्त करने वाले 27 बीएलओ को कलेक्टर एस.जयवर्धन ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कलेक्टर ने अवसर पर सभी सम्मानित बीएलओ को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि जिस मेहनत और लगन से आप सभी ने अल्प अवधि में ही यह कार्य पूर्ण किया है यह दूसरों के लिए प्रेरणादायी है। यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि जिले के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को मजबूती देने वाला प्रयास है। इस दौरान उन्होंने बीएलओ से फील्ड में उनके कार्यानुभव को भी जाना, और अन्य बीएलओ के सहयोग की बात कही। सम्मानित किए गए बीएलओ ने मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत गणना पत्रक वितरण एवं ऑनलाइन एंट्री सुनिश्चित की गई। सम्मानित किए गए बीएलओ में श्रीमती अनिता सिंह, डॉक्टर सिंह पोर्टे, रीना आंडिल्य, देविस राज राजवाड़े, विष्णु प्रताप राजवाडे, चन्द्रदत्त, श्रीमती सुंगिता,

संतोष कुमार जायसवाल, श्रीमती उमा शर्मा, मुकेश कुमार जायसवाल, सुदेश्वर गुर्जर, श्रीमती अर्चना गुर्जर, श्रीमती अनुराधा यादव, श्रीमती इन्द्रावती यादव, ब्रिजेश कुमार जायसवाल, राजीव कुमार गुप्ता, मुनेश्वर मिश्रा, नवीन राजवाड़े, राम तुलासो पैंकरा, श्रीमती पार्वती ठाकुर, श्रीमती शशि सिंह, अर्जुन राम सांडिल्य, श्रीमती बिंदिया बेक, बिफनी सिंह, श्रीमती गीता सिंह, इन्द्रप्रसाद एवं श्रीमती प्रमिला सिंह शामिल हैं।

अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर कड़ी निगरानी और दोषियों पर कार्रवाई के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गुरुवार को कलेक्टर एस. जयवर्धन ने खाद्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक ली।

कलेक्टर ने ली खाद्य विभाग की समीक्षा बैठक

बैठक में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान खरीदी की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने सभी उपार्जन केंद्रों में किसानों को दी जा रही सुविधाओं, संग्रहण केंद्रों में धान भंडारण की तैयारी तथा पीडीएस बारदाना की उपलब्धता का परीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने धान खरीदी की वर्तमान स्थिति, रकबा समर्पण, समिति एवं मोबाइल ऐप के माध्यम से टोकन वितरण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों में किसानों के लिए पेयजल, वजन मशीन, नमी मापक यंत्र एवं प्रतीक्षा व्यवस्था जैसी बुनियादी सुविधाएं को बेहतर किए जाएं। उन्होंने राशन कार्ड धारकों का ई-केवाईसी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि हितग्राहियों को राशन सामग्री सुचारू रूप से प्राप्त हो सके। पीडीएस दुकान संचालन, राशन उपलब्धता और सहकारी समितियों के माध्यम से सोसायटी-वार राशन वितरण की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर एस.जयवर्धन ने अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर कड़ी निगरानी रखने और दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार दौरे करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

दुकान के सामने खड़ी बाईक पार, सीसीटीवी में कैद हुई चोरी की वारदात

चोरी की बढ़ती घटनाओं से ग्रामीण परेशान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी, बिहारपुर। क्षेत्र के ग्राम नवाटोला में मंगलवार देर रात तीन अज्ञात चोरों ने मिलकर बाइक चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना की पूरी तस्वीर पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। चोरी की यह वारदात जनार्दन यादव के किराना दुकान के सामने की है। बताया गया है कि रोज की तरह रात में उनकी बाइक दुकान के सामने खड़ी थी। देर रात जब पूरे गांव में सन्नाटा था, तभी तीन युवक मुंह मे गमछा लपेटे पैदल आते दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में तीनों पहले आसपास की स्थिति का जायजा लेते हैं, फिर मौका पाकर बाइक को धक्का देकर सड़क के किनारे ले जाते हैं। कुछ दूरी पर पहुंचने के बाद बाइक को स्टार्ट करते हैं और मौके से फरार हो जाते हैं। सुबह जब बाइक गायब मिली, तब दुकान संचालक जनार्दन यादव ने सीसीटीवी चेक किया और पूरी घटना सामने आई। जिसके बाद उन्होंने चांदनीङ्कबिहारपुर थाना में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने फुटेज को अपने कब्जे में

लेकर आरोपियों की पहचान शुरू कर दी है। थाना प्रभारी के अनुसार, फुटेज में दिखाई दे रहे तीनों संदिग्ध युवकों की कदङ्ककाठी, पहनावा और हिलनेङ्कडुलने की बॉडी लैंग्वेज के आधार पर पुलिस आसपास के गांवों में पूछताछ कर रही है। पुलिस ने दावा किया है कि बहुत जल्द पुलिस चोरी का खुलासा करेगी। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले कुछ समय से चोरी की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है, और रात में पुलिस गश्त भी बेहद कमजोर हो गई है। फिलहाल पुलिस चोरों की पतासाजी में लगी हुई है।

प्रशासन की टीम ने जप्त किया पिकप में लोड 29 बोरी अवैध धान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने हेतु प्रशासन द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में तहसील ओड़गी के ग्राम मयूरधक्की में राजस्व अधिकारियों की टीम ने पिकअप वाहन में लोड 29 बोरी अवैध धान पकड़ा है। वाहन में धान लेकर जा रहे मृगेंद्र गुर्जर ग्राम लांजीत को मौके पर पकड़ कर धान की जप्ती की गई। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में जिले में अवैध धान पर सख्त निगरानी रखी जा रही है और प्रशासन ने स्पष्ट कहा है कि समर्थन मूल्य पर खरीदी व्यवस्था प्रभावित करने वालों के खिलाफ निरंतर कठोर कार्यवाही की जाएगी। अधिकारी सीमावर्ती क्षेत्रों और संभावित स्थानों पर सतत जांच कर रहे हैं।

आईएएस अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर एसपी को सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एससी एसटी अधिकारी कर्मचारी संगठन के मध्यप्रदेश के नवनियुक्त प्रांत अध्यक्ष आईएएस अफसर संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मणों को लेकर पिछले दिनों दिए गए विवादास्पद बयान के बाद वर्मा के खिलाफ देश भर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। बढ़ते विरोध के बाद मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव ने आईएएस संतोष कुमार वर्मा उपसचिव कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने को कहा है अन्यथा एकपक्षीय कार्यवाही की चेतावनी दी गई है। आज इसी मामले को लेकर सर्व ब्राह्मण समाज सूरजपुर के जिलाध्यक्ष मनोज अवस्थी के अगुआई में समाज के लोगों ने आज पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंप कर एफआईआई की मांग की है। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच सर्व ब्राह्मण समाज के पदाधिकारियों ने दिए ज्ञापन में

उल्लेख किया है कि एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी द्वारा विप्र समाज की बेटियों और समाज पर इस प्रकार की टिप्पणी किसी भी हाल में स्वीकार नहीं की जा सकती है। यह न सिर्फ मानहानि है बल्कि जातिगत अपमान का गंभीर अपराध भी है। समाज द्वारा सौंपे ज्ञापन में भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और धारा 500 का विशेष उल्लेख किया गया है। ज्ञापन में बताया गया है कि एक लोकसेवक द्वारा ऐसी जातिगत टिप्पणी करना कानूनी रूप से और भी गंभीर अपराध बन जाता है। समाज ने यह भी कहा कि उक्त आईएएस अधिकारी का बयान नारी सम्मान और सामाजिक सौहार्द पर सीधा प्रहार है। समाज ने पुलिस अधीक्षक को दिए ज्ञापन में उल्लेख किया है कि यदि मामले में आईएस संतोष वर्मा के खिलाफ यदि एफआईआई नहीं ली गई तो मजबूरन आंदोलन करने बाध्य होना पड़ेगा। सर्व ब्राह्मण समाज के जिलाध्यक्ष मनोज अवस्थी ने कहा कि हमने संविधान के दायरे में रहकर आवेदन दिया है। अब यह प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह अपनी निष्पक्षता दिखाए। समाज के बेटियों के सम्मान और समाज की प्रतिष्ठा पर किसी तरह का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस दौरान समाज के जिला अध्यक्ष मनोज अवस्थी,वरिष्ठ अधिवक्ता एच एन मिश्रा, जीएस मिश्रा, अशोक उपाध्याय, शेषनारायण शर्मा, गणेश, दिनेश द्विवेदी, शोभनाथ चौबे, दया चौबे, नीरज पांडेय, पूर्णानंद तिवारी, मनोज पांडेय, विनय पांडेय, वेदप्रकाश मिश्र, आनंद शर्मा व बड़ी संख्या में सर्व ब्राह्मण समाज के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दो माह से नहीं मिला वेतन, लंबित बर्खास्त कर्मचारियों की बहाली

परेशान एनएचएम कर्मियों ने कलेक्टर को सौपा ज्ञापन, वेतन व बहाली की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्य के 16 हजार से अधिक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियो को पिछले दो माह से वेतन नहीं मिला हैं। इस स्थिति ने कर्मचारियों को गंभीर सामाजिक आर्थिक संकट से गुजरना पड़ रहा है।

वेतन के आभाव में दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करना अत्यंत कठिन हो गया है, जिससे कर्मचारियों में मानसिक तनाव और असंतोष तेजी से बढ़ रहा है। एनएचएम कर्मचारियों के हालिया आंदोलन के दौरान कर्मचारियों को सेवा से पृथक किया गया था। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद आंदोलन समाप्त किया गया था।

इस दौरान बर्खास्त कर्मचारियों की निन्शर्त बहाली का स्पष्ट एवं सार्वजनिक आश्वासन दिया गया था। यह विषय कैबिनेट बैठक में पुरा करने की बात पर सहमति बनी थी किंतु दो माह से अधिक समय बीत चुका है। इस बीच तीन कैबिनेट बैठकें सम्पन्न हो चुकी हैं बावजूद इसके आज तक बहाली आदेश जारी नहीं किए गए। जिससे प्रभावित कर्मचारियों सहित एनएचएम कार्मिकों में निराशा और आक्रोश की भावना को जन्म दे रही है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार मिरी एवं प्रदेश महासचिव कौशलेश तिवारी ने कहा कि आंदोलन सरकार से सकारात्मक चर्चा एवं विश्वास और सद्भावना के साथ समाप्त किया गया था, किंतु आश्वासन पूरा न होना अत्यंत खेदजनक एवं कर्मचारियों के हितों के विपरीत है। कर्मचारियों ने दो माह से लंबित वेतन के तत्काल भुगतान एवं आंदोलन के दौरान सेवा से पृथक किए गए सभी कर्मचारियों की तत्काल बहाली किये जाने की मांग की है। गुरुवार को यहां जिला मुख्यालय मे जिलाध्यक्ष बृजलाल के नेतृत्व मे मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौपकर जल्द वेतन एवं वार्षिक वेतन वृद्धि का भुगतान करने का आग्रह किया गया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

Annexure-A

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या टीआरडी-बीएसपी-288-25-26 दिनांक: 20/11/2025

कार्य : भूपदेवपुर, रायगढ़, सक्ती, बाराद्वार, चांपा, कोतमा, बिजुरी, मनेंद्रगढ़, चिरिमिरी, लोरहा, चंदिया तथा रूपोंद स्टेशन पर 3 मीटर / 6 मीटर चौड़े एफओबी के निर्माण के संबंध में इनफ्रिंजिंग (अतिक्रमणकारी) ट्रेस्टल्स को प्रतिस्थापित करने हेतु ओएचई का प्रावधान संशोधन।

निविदा मूल्य:₹2,87,81,502.81/-/-**बयाना राशि:** ₹2,93,900.00/- **निविदा जमा करने की तिथि व समय:** दिनांक 15/12/2025 के 15:00 बजे तक।

पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारे वैबसाइट www.ireps.gov.in पर पधारें। निविदा सूचना को वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.)

सीपीआर/10/AM/484 द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

युवाओं ने धान खरीदी की अंतिम तिथि 15 फरवरी तक बढ़ाने की मांग

मुख्यमंत्री के नाम युवाओ ने जिला प्रशासन को सौपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्य में धान खरीदी की प्रक्रिया 15 नवंबर से शुरू होनी थी, लेकिन सहकारी समिति के सदस्यों की हड़ताल के कारण अधिकांश समितियों में खरीदी कार्य समय पर शुरू नहीं हो सका। कई समितियों में देर से खरीदी प्रारंभ होने के कारण युवाओं ने मुख्यमंत्री व कृषि मंत्री के नाम कलेक्टर एस जयवर्धन को ज्ञापन सौपकर धान खरीदी की अंतिम तिथि 15 फरवरी तक बढ़ाने की मांग की है। इसके साथ ही ज्ञापन में किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कई अन्य मांगें भी की गई है। जिसमें किसानों को बैंकों में प्रति सप्ताह एक दिन में 20 हजार रुपए आहरण की सीमा

बढ़ाकर 50 हजार रुपए करने,जिला सहकारी बैंक शाखाओं के समीप अलग से एटीएम की स्थापना करने, जो किसान एटीएम का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें बैंक से राशि आहरण हेतु अलग से प्राथमिकता देने, समितियों में माइक्रो एटीएम की आहरण सीमा बढ़ाने और उसके संचालन हेतु पृथक कर्मचारी की व्यवस्था करने की मांग की गई हैं। ज्ञापन सौंपने वालो में आदिवासी युवा छात्र संगठन छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पैकरा, संभाग संरक्षक कृष्णा नारायण चेरवा, संभाग उपाध्यक्ष जगदीश सिंह, जिला अध्यक्ष आनंद सिंह मरकाम, सदस्य गौरीशंकर सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता चिंटू सोनवानी, संदीप कुशवाहा, वीरेंद्र कुशवाहा, सुरेश सिंह, कमलकांत सिंह, राजेंद्र पैकरा, मनीष, धनी एवं आलोक सिंह शामिल है।

जिला जेल में निरुद्ध बंदी की मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के जिला जेल में निरुद्ध एक बंदी की मौत हो गई है। मृतक हत्या के एक मामले में पिछले 11 माह से जेल में था। जिसका मामला न्यायालय में विचाराधीन है। बताया गया है कि हत्या के मामले का कथित आरोपी 50 वर्षीय विचाराधीन बंदी बिहारी की अचानक तबियत बिगड़ी और वह बेहोश होकर गिर पड़ा। जिसे तत्काल जेल प्रबंधन द्वारा यहां जिला अस्पताल में उपचार हेतु लाया गया जहां परीक्षण उपरांत चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया। ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के मौजूदगी में मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण का पता चल सकेगा। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
अम्बिकापुर 28 नवम्बर 2025

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

विधायक के कथित फर्जी जाति प्रमाणपत्र मामले में प्रशासन द्वारा ढिलाई का आरोप

आक्रोशित आदिवासी समाज ने कलेक्टर कार्यालय घेरकर किया उग्र प्रदर्शन

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते के कथित फर्जी जाति प्रमाणपत्र मामले की जांच में विलंब को लेकर आदिवासी समाज का आक्रोश गुरुवार को एक बार फिर उभरकर सामने आया। संयुक्त जिला कार्यालय के सामने हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग पहुंचे और प्रशासन पर पक्षपात के गंभीर आरोप लगाए।

प्रदर्शन कारियों का कहना है कि आम नागरिकों के लिए साधारण जाति प्रमाणपत्र बनवाना मुश्किल होता जा रहा है। अधिकारियों द्वारा तरह-तरह के दस्तावेज़ों की मांग और जटिल प्रक्रियाओं के कारण आम लोगों को महीनों तक कार्यालयों का चक्कर काटना पड़ता है। दूसरी ओर एक विधायक के विवादित प्रमाणपत्र को निरस्त करने में प्रशासन जान-बूझकर देरी कर रहा है। समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि छानबीन समिति द्वारा विधायक की उपस्थिति के लिए गुरुवार को अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी, इसके बावजूद समिति द्वारा तिथि को आगे बढ़ा देना आक्रोश का मुख्य कारण बना। आरोप है कि लगातार तारीख बढ़ाकर मामला लंबित किया जा रहा है, इससे प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। गुरुवार को आदिवासी समाज पहले राष्ट्रीय राजमार्ग 343 पर धरने पर बैठा, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ। इसके बाद प्रदर्शनकारी कलेक्टर कार्यालय के सामने पहुंच गए, यहां जिला प्रशासन होश में आओ, प्रतापपुर विधायक हटाओ आदिवासी समाज बचाओ जैसे नारे लगे। सूचना मिलते ही अपर कलेक्टर, एसडीएम सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा और प्रदर्शनकारियों को समझाइश देने की कोशिश की। हालांकि, लोग अपने रुख पर अडिग रहे और काफी देर तक हंगामा चलता रहा।

लिखित आश्वासन के बाद प्रदर्शन हुआ समाप्त

प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच कानूनी प्रक्रिया के अनुसार चल रही है, सभी दस्तावेजों व तथ्यों का परीक्षण किया जा रहा है। अगली सुनवाई की तिथि 11 दिसंबर निर्धारित की गई है। आदिवासी समाज का कहना है कि मामले में त्वरित, पारदर्शी और निष्पक्ष निर्णय हो। देर शाम को मिले लिखित आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

अपने आप को परिवर्तित करने के लिए स्वयं को परमात्मा से जोड़ें

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में 15 दिवसीय मेडिटेशन की कक्षा संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर में 15 दिवसीय मेडिटेशन की कक्षा का समापन 26 नवम्बर को हुआ। इस दौरान बी.एड प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्थान की ब्रम्हकुमारी विद्या एवं सहयोगी ने मेडिटेशन की शिक्षा दी। इसका उद्देश्य मानसिक शांति के साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को तनाव मुक्त करना था। 15 दिनों तक इन्हें जीवन में सफल होने और सत्यता की पहचान के बारे में बताया। प्रतिदिन मेडिटेशन का अभ्यास कराने के साथ कर्मों की शक्ति, सहनशक्ति, राजयोग के विभिन्न आयाम बताए गए।

समापन दिवस पर ब्रम्हकुमारी विद्या ने बताया कि शांति हमारे भीतर ही होती है, परंतु हम उसे बाहरी दुनियां में ढूंढ़ते हैं। हम सभी ईश्वरीय परमात्मा की संतान हैं, हम एक शांत स्वरूप आत्मा है। सफलता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। ज्ञान एक ऐसा धन है जो अविनाशी है, जो आगे चलकर वरदान स्वरूप बनेगा। हमें अपने अंदर की बुराइयों को दूर करने के लिए अच्छी चीजों को भरना होगा। हमें अपने आप को परिवर्तित करने के लिए स्वयं को परमात्मा से जोड़ना होगा। हमें प्रतिदिन जो मिलता है, उसके लिए परमात्मा का धन्यवाद करना चाहिए। उन्होंने कहा आज हम इस कक्षा का औपचारिक समापन तो कर रहे हैं, किंतु ध्यान साधना का वास्तविक आरंभ यहीं से होता है। दैनिक जीवन में 10 से 15 मिनट का नियमित ध्यान आपके व्यक्तित्व, विचारों और संपूर्ण जीवन में सकारात्मक परिवर्तन अवश्य लाएगा।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने कहा पंद्रह दिनों की साधना यात्रा हम सभी के लिए अद्भुत अनुभव से ओतप्रोत रहा। इस अवधि में हमने न केवल ध्यान की विधियों को सीखा, बल्कि स्वयं को समझने, मन को शांत करने और जीवन में संतुलन लाने की कला भी विकसित की। उन्होंने कहा कि मेडिटेशन ने हमें सिखाया कि शांति बाहर नहीं, भीतर पनपती है। मन को नियंत्रित करना ही सफलता और सुख का मूल है। उन्होंने कहा नियमित साधना से तनाव, चिंता और नकारात्मकता स्वतः दूर होती है। हमें अपने समय को व्यर्थ की चीजों में नहीं गंवाना चाहिए। समय का बेहतर उपयोग करें, और अपने जीवन में सकारात्मक सोच रखें। आप भावी शिक्षक हैं, एक अच्छे शिक्षक को जिज्ञासु होना चाहिए। इस दौरान विभागाध्यक्ष रानी रजक, सहायक प्राध्यापक उर्मिला यादव, प्रियलता जायसवाल, मिथलेश कुमार गुर्जर, सुप्रिया सिंह, सविता यादव, सीमा बंजारे, पूजा रानी, ज्योत्स्ना राजभर एवं बी.एड प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति रही।

कीटनाशक का सेवन की महिला और युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कीटनाशक का सेवन करने के दो मामलों में एक वृद्ध महिला और एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बेलदगी का उमेश्वर सिंह पैकरा पिता शिवप्रसाद पैकरा 38 वर्ष, 25 नवम्बर को खाना खाने के बाद पत्नी के साथ कमरे में सो रहा था। रात करीब 8.30 बजे वह घर से बाहर निकला। करीब आधे घंटे तक जब वह वापस नहीं लौटने पर उसकी पत्नी कमरे से बाहर आई तो उसका पति खाट में सो रहा था। पति के पास गई तो खाट के नीचे रखे कीटनाशक के डिब्बे पर उसकी नजर पड़ी। पूछताछ करने पर उमेश्वर कुछ नहीं बताया। स्वजन उसे लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गए, यहां से रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया था, यहां बुधवार की शाम उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। एक अन्य मामले में जशपुर जिला के सन्ना थाना अंतर्गत ग्राम डकई निवासी बालकी बाई पति जगमोहन नगेसिया 73 वर्ष, 24 नवम्बर को कीटनाशक का सेवन कर ली थी। इस दौरान महिला घर में अकेले थी। पुत्र और बहू धान काटने के लिए खेत की ओर गए थे। दोपहर करीब एक बजे जब वे वापस घर लौटे तो मां उल्टी कर रही थी। पूछताछ करने पर वह कुछ नहीं बताई। कीटनाशक का गंध आने पर वे उसे सन्ना स्वास्थ्य केन्द्र ले गए, यहां से रेफर करने जशपुर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां से भी आवश्यक उपचार के बाद चिकित्सक ने महिला को रेफर कर दिया था। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उपचार के दौरान 26 नवम्बर को देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजनों के सुपुर्द कर दिया है।

जिला स्तरीय युवा उत्सव के लिए पंजीयन 5 दिसंबर तक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में राज्य के युवाओं को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी राज्य शासन के द्वारा युवा उत्सव का आयोजन जिला एवं राज्य स्तर पर किया जाना है। जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन जिला मुख्यालय अंबिकापुर के शासकीय राजीव गांधी महाविद्यालय के आडिटोरियम हॉल में 8 दिसम्बर को प्रातः 8 बजे से किया जाएगा। युवा उत्सव में 15 से 29 वर्ष के महिला, पुरुष कलाकार भाग ले सकेंगे। युवा उत्सव में लोक नृत्य, पंथी नृत्य, राउत नाचा, करमा नृत्य, लोक गीत, वाद-विवाद, कहानी लेखन, चित्रकला, कविता लेखन, नवाचार, एकांकी नाटक, पारंपरिक वेशभूषा, रॉक बैंड विधाओं को शामिल किया गया है। जिला स्तरीय युवा उत्सव प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु जिला सरगुजा के अंतर्गत शैक्षणिक सस्थाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के साथ अन्य 15 से 29 वर्ष के युवा कलाकार भाग ले सकते है। युवा उत्सव में भाग लेने हेतु समस्त प्रतिभागी, दल निर्धारित समय में अपना पंजीयन खेल एवं युवा कल्याण विभाग कार्यालय में 5 दिसम्बर तक कार्यालयीन समय में कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग कलेक्टोरेट परिसर से संपर्क कर सकते हैं।

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का देर रात तक चल रहा काम

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। विधानसभा प्रतापपुर के मार्री कला एवं अन्य पंचायतों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य को तेजी से पूरा किया जा रहा है। नगरीय निकाय और ग्राम पंचायतों के वार्डों में तैनात शिक्षकों, तहसील के नायब नजरानों एवं बीएलओ को इस कार्य में लगाए जाने के साथ ही सीएससी सेंटर के ऑपरेटरों की मदद से जन्मतिथि एवं पारिवारिक विवरण का ऑनलाइन अंकन लगातार जारी है। रात 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक तहसीलदार प्रतापपुर की निगरानी में यह महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हो रहा है। सर्वे दल घर-घर जाकर मतदाताओं का आवश्यक विवरण दर्ज कर रहे हैं, त्रुटियों के निराकरण का प्रयास भी किया जा रहा है। पूरे ब्लॉक में यह कार्य संतोषजनक पाया गया है। पुनरीक्षण कार्य में सीएमओ, जनशिक्षक, मास्टर ट्रेनर जगदीश प्रसाद गुप्ता, संतोष गुप्ता और सभी तैनात शिक्षक-शिक्षिकाएं, बीएलओ व अन्य कर्मी अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। प्रशासन ने टीम के कार्य की सराहना की है और इसे सुचारू रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

देर रात घर में घुसकर महिला से मारपीट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। देर रात बलपूर्वक घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट करने के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध अपराध दर्ज किया है। रिंग रोड खरसिया नाका में स्थित गौसियानगर में रहने वाली महिला ने पुलिस को बताया है कि 24 नवम्बर को वह अपने पति व बच्चों के साथ घर में सो रही थी। देर रात करीब दो बजे असगर अली गांव के मुबारक, जावेद, मंजुर, एहतेराम के साथ बलपूर्वक घर में घुसने लगा। मना करने पर वह धक्का मारकर घर के अंदर घुस गया, और गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देकर हाथ-मुक्का से मारपीट करने लगे। मारपीट के बीच गले से सोने का चैन गिर गया। आरोपियों ने महिला के घर का दिवाल व गेट भी क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस मौके का निरीक्षण करके अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

धान उपार्जन केन्द्रों में जिले के किसानों ने 93 क्विंटल से अधिक बेचा धान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में सरगुजा जिले के धान उपार्जन केंद्रों में इस वर्ष खरीदी कार्य अपेक्षाकृत अधिक तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। शासन के निर्देशों और प्रशासनिक तैयारी के कारण जिले भर में धान बेचने किसानों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है, जिससे खरीदी केंद्रों में सक्रियता और रफ्तार दोनों बढ़ गई हैं।

जिला खाद्य विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार अब तक तकरीबन जिले में 93,625.01 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। इस वर्ष 55,937 किसान पंजीकृत हैं, जिन्हें 54 केंद्रों के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान बेचने की सभी सुविधा उपलब्ध है। अकेले 27 नवम्बर को ही 653 किसानों ने पंजीयन कराया है, जिसमें से 470 किसानों ने समिति के माध्यम से तथा 183 किसानों ने तुंहर टोकन ऐप से टोकन प्राप्त किया है।

प्री मेडिकल एवं प्री इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु प्राक्चयन परीक्षा 2 दिसंबर को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आदिवासी विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि युवा करियर निर्माण योजना अंतर्गत प्री मेडिकल एवं प्री इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु अभ्यर्थियों के चयन के लिए जिला स्तर पर आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए थे। परीक्षण उपरांत पात्र पाए गए अभ्यर्थियों का प्राक्चयन परीक्षा 2 दिसम्बर को दोपहर 12 से 2 बजे तक, प्रयास आवासीय विद्यालय सड्डू, उरकुरा मार्ग, रायपुर (छ.ग.) में आयोजित है। प्राक्चयन परीक्षा में शामिल होने के लिए पात्र अभ्यर्थियों की सूची तथा प्रवेश पत्र प्रारूप विभागीय वेबसाइट पर अपलोड है। सभी परीक्षार्थी प्रवेश पत्र डाउनलोड कर अपना रोल नंबर, स्वयं सत्यापित फोटो तथा संपूर्ण विवरण भरकर परीक्षा केंद्र में उपस्थित हो सकते हैं।

सामान्य प्रशासन समिति एवं सामान्य सभा की बैठक 3 दिसंबर को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि 3 दिसम्बर को जिला पंचायत सरगुजा की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक दोपहर 11 बजे एवं सामान्य सभा की बैठक दोपहर 2 बजे से जिला पंचायत सरगुजा के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। उन्होंने बैठक में सर्व संबंधितों को निर्धारित तिथि व समय पर उपस्थित होने का आग्रह किया है।

मेरा संविधान-मेरा अभिमान थीम पर प्रतियोगिता और अतिथि व्याख्यान का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत हरकेवल महाविद्यालय में संविधान दिवस उत्साह और गरिमा के साथ आइक्यूएसी व सोशल क्लब के संयुक्त तत्वाधान में मनाया गया। इस वर्ष कार्यक्रम का थीम 'मेरा संविधान मेरा स्वाभिमान' रखा गया, जिसके अंतर्गत प्रशिक्षार्थियों में जागरूकता, सद्भभाव, सम्मान, कर्तव्य बोध बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों को आयोजित किया। इसके अंतर्गत महाविद्यालय में प्रथम सेमेस्टर तथा 13 आवंटित विद्यालयों में तृतीय सेमेस्टर ने भाषण, निबंध, पोस्टर, रंगोली, नारा लेखन जैसे कई प्रतियोगिताओं के साथ-साथ सामूहिक 'संविधान की प्रस्तावना' वाचन कराया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में नरेंद्र कुमार पांडे एनडीपीएस उपस्थित हुए। उन्होंने संविधान को सबसे बड़ा ग्रंथ कहा और बताया कि संविधान मानव कल्याण, पर्यावरणीय और भौगोलिक सुरक्षा के साथ-साथ चल और अचल संपत्ति के संरक्षण और संवर्धन करता है, कर्तव्य निष्ठा का भाव उत्पन्न करता है। अपने वक्तव्य में उन्होंने भारतीय संविधान को विश्व का सबसे अलौकिक, लिखित, विस्तृत और स्पष्ट संविधान कहा, जिसमें समता, सद्भावना और सहिष्णुता का विशेष महत्व है। उन्होंने नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसिस एक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी और युवा शक्ति को नशा मुक्ति और कर्तव्य युक्त राष्ट्र निर्माण का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अंजन सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि संविधान में लिखित बातों को सही तरीके से पारित किया जाए तो कोई भी व्यक्ति दुखी, परेशान और असुरक्षित नहीं रहेगा, परंतु संविधान की धारा और अनुच्छेद का उल्लंघन और भ्रमित कर कई प्रकार के भ्रष्टाचार हमारे समाज में व्याप्त हो चुके हैं। कार्यक्रम की कड़ी में महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक सुमन पांडे ने अच्छी जानकारी, मार्गदर्शन के लिए महाविद्यालय परिवार की ओर से नरेंद्र कुमार पाण्डे का आभार व्यक्त करके आगामी समय में इस तरह का मार्गदर्शन देने का आग्रह किया। अंत में पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागी अंशु भगत तृतीय, आस्था दुबे द्वितीय और आयुष मिंज प्रथम, निबंध प्रतियोगिता में विकास विश्वकर्मा तृतीय, चंद्रवती चौहान द्वितीय और कविता प्रथम, रंगोली प्रतियोगिता में आशा गुप्ता तृतीय, प्रिया टोप्पो द्वितीय, रेनू चौहान प्रथम, भाषण प्रतियोगिता में रीना केरकट्टा तृतीय, सविता सोनवानी द्वितीय, रिंकी यादव के प्रथम स्थान प्राप्त करने की घोषणा की गई। कार्यक्रम प्राचार्य के मार्गदर्शन और सहायक प्राध्यापक एवं आइक्यूएसी प्रभारी सुमन पांडे व सोशल क्लब प्रभारी नीरू पांडे के निर्देशन तथा समस्त सहायक प्राध्यापक डॉ. पूजा दुबे, डॉ. रानी पांडे, चंदा सिंह एवं श्वेता तिवारी के निरीक्षण व बीएड प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षार्थियों के सहयोग से संपन्न हुआ।

ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु पंजीयन 30 तक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। आदिवासी विभाग के सहायक आयुक्त से प्राप्त जानकारी अनुसार सरगुजा जिला में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक आदि के प्राचार्य, संस्था प्रमुख, छात्रवृति प्रभारी एवं उनमें अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों जो आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति की पात्रता रखते हैं, उनके लिए शिक्षा सत्र 2025-26 हेतु ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति (कक्षा 12वीं से उच्चतर) के पंजीयन, स्वीकृत एवं वितरण की कार्रवाई वेबसाइट पर की जा रही है। इसके अंतर्गत विभाग द्वारा 2025-26 में विद्यार्थी द्वारा ऑनलाईन, पंजीयन हेतु नवीन एवं नवीनीकरण आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 30 नवम्बर तक है। निर्धारित तिथि के पश्चात सत्र 2025-26 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जाएगा। ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक एवं सैंक्शन ऑर्डर लॉक करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जाएगा। निर्धारित तिथि तक कार्रवाई पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित संस्थाओं के विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं, इसके लिए संस्था प्रमुख जिम्मेदार होंगे।

दिव्यांग बच्चों हेतु प्रमाण-पत्र शिविर का आयोजन

जिले के 143 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, 94 को जारी किए गए प्रमाण-पत्र

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर के निर्देशानुसार जिले में दिव्यांग बच्चों के लिए आयोजित दिव्यांगता प्रमाण-पत्र शिविर मल्टीपर्पज हायर सेकेंडरी स्कूल में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में जिला शिक्षा अधिकारी एवं समग्र शिक्षा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनकी पात्रता के अनुसार दिव्यांगता प्रमाण-पत्र एवं यूडीआईडी कार्ड प्रदान करना तथा शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना था। विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने अस्थि बाधित, दृष्टिबाधित, श्रवण बाधित, मानसिक मंदता, सेरेब्रल पाल्सी (सी.पी.), सिकल सेल तथा शल्य क्रिया संबंधी आवश्यक परीक्षण किया। शिविर में सरगुजा जिले के सभी 7 विकासखण्डों से कुल 143 दिव्यांग बच्चे एवं 107 अभिभावक, शिक्षक उपस्थित हुए। परीक्षण के बाद विभिन्न श्रेणियों में 94 पात्र बच्चों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी किए गए, जिनमें 20 अस्थि बाधित, 16 दृष्टि बाधित, 12 श्रवण बाधित, 26 मानसिक मंदता, 2 सी.पी. तथा 18 सिकल सेल से प्रभावित बच्चे शामिल हैं। जिला चिकित्सालय के विशेषज्ञ डॉ. अभिजीत जैन, डॉ. जी.के. दामले, डॉ. आशीष मंडल, डॉ. प्रेमसाय तिर्की, डॉ. चन्द्रशेखर उपाध्याय, डॉ. गिरीश पैकरा, डॉ. राजपीत कौर और डॉ. अखिलेश भारत द्वारा परीक्षण एवं मूल्यांकन कार्य किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी दिनेश झा, जिला मिशन समन्वयक सर्वजीत कुमार पाठक, सहायक कार्यक्रम समन्वयक भरत अग्रवाल, संजय सिंह, करूणेश चन्द्र श्रीवास्तव एवं समावेशी शिक्षा प्रभारी दिनेश शर्मा सहित सभी विकासखण्डों के बीआरपी एवं स्पेशल एजुकेटर उपस्थित रहे। अभिभावकों ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि टीम द्वारा घर-घर जाकर बच्चों को शिविर तक पहुंचाने तथा प्रमाण पत्र की प्रक्रिया में दी गई सहायता अत्यंत उपयोगी रही। स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविर आगे भी समय-समय पर आयोजित किए जाएंगे, ताकि कोई भी पात्र बच्चा शासन की योजनाओं के लाभ से वंचित न हो।

धान खरीदी व्यवस्था से किसानों का बढ़ा भरोसा, किसान ने शासन का जताया आभार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रदेश में जारी धान खरीदी तिहार किसानों के लिए राहत, पारदर्शिता और सुगमता का संदेश लेकर आया है। ग्राम पंचायत रामपुर के किसान एवं गांव के पटेल कीर्तम राम पटेल ने खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष की धान खरीदी प्रक्रिया अत्यंत सरल और किसान हित में है।

कृषक कीर्तम राम पटेल ने बताया कि वे इस सीजन में कुल 187 क्विंटल धान बेच रहे हैं। पहला 80 क्विंटल का टोकन कटाकर उन्होंने धान बेच दिया है, जबकि शेष 107 क्विंटल अगले टोकन के माध्यम से बेचेंगे। टोकन प्रणाली ने खरीदी केंद्रों में भीड़ कम की है और किसानों को निश्चित समय पर धान बेचने की सुविधा मिल रही है। उन्होंने बताया कि धान उपार्जन केंद्र में बारदाना की पर्याप्त उपलब्धता, कर्मचारियों का सहयोग, तुलाई प्रक्रिया की सटीकता और व्यवस्था की पारदर्शिता ने किसानों का भरोसा बढ़ाया है। पहले की तुलना में इस बार खरीदी व्यवस्था बहुत ही सुचारू है। केंद्र में कोई अव्यवस्था नहीं है और पूरी प्रक्रिया सरल है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा धान का 3100 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य दिए जाने से किसानों के चेहरे पर खुशी है। इसके लिए वह मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर